

जंग में अमेरिका व इजराइल हांफे, ट्रंप को नाटो का साथ नहीं, अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश

ट्रंप झुके, बोले- सीजफायर नहीं... पर जंग पर हो सकती है बात, अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील पर ईरान ने पानी फेरा, कहा-हमारे पास अतिरिक्त तेल नहीं

एजेसी ► नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। एक तरफ जहां अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देकर बाजार को शांत करने की कोशिश कर रहा है, वहीं ईरान के हालिया बयान ने इन कोशिशों पर पानी फेर दिया है। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए कोई सरप्लस (अतिरिक्त) कूड उपलब्ध नहीं है। न बाजार के लिए कोई स्टॉक ही है। अमेरिका ने 20 मार्च तक जहाजों पर लदे ईरानी तेल के लिए प्रतिबंधों में 19 अप्रैल तक की सीमित छूट दी है। इस छूट के लिए शर्त है कि केवल उस तेल की बिक्री और डिलीवरी (अमेरिका में आयात सहित) की अनुमति देता है जो पहले से लदा हुआ है।

►► ईरान के तेल पर स्टैंड से ग्लोबल मार्केट में बढ़ सकती है कूड की तपिश

एआई एमेज

भारत के 22 जहाज फारस की खाड़ी में

भारत के अभी भी 22 जहाज फारस की खाड़ी में हैं। ट्रंप की युद्धविराम नहीं वाली नीति से इस क्षेत्र में तनाव लंबा खिंच सकता है, जिससे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। जहां ट्रंप चीन को इस मामले में घसीटना चाहते हैं, वहीं भारत नहीं चाहेगा कि हिंद महासागर और उसके आसपास के क्षेत्रों में चीन का दखल बढ़े।

मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति को फोन किया

जंग में बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमलों की निंदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ फोन पर बातचीत में क्षेत्र में अहम बुनियादी ढांचे पर हो रहे हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। साथ ही उन्होंने समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता बनाए रखने और शिपिंग मार्गों को खुला व सुरक्षित रखने के महत्व को दोहराया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की और उन्हें ईद व नवरोज की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों ने उम्मीद जताई कि यह त्योंहारों का सीजन पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाएगा।

चतुर्थी: नौ कूजांडा

सुरासंपूर्णकलाशं रुधिरादृतुमेव च। दधाना हस्तापद्मभ्यां कूजांडा शुभद्वन्द्वमे।

महाकाल के दर पर पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम पाठक

उज्जैन। बाबा महाकाल के दरबार में वीआईपी लोगों का तांता लगा रहता है। शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और दिल्ली सरकार के गृहमंत्री आशीष सुद ने उज्जैन पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद लिया।

सड़क पर शव रखकर चक्काजाम आरोपी की झोपड़ी में लगाई आग

पुलिस ने नहीं लिखी थी एफआईआर

रेप पीड़िता के बेटे ने जहर पीकर कर लिया सुसाइड

हरिभूमि न्यूज़ ► देवास/उदयनगर

जिले में रेप पीड़िता के बेटे ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर नहीं लिखने पर जहर पीकर सुसाइड कर लिया। शनिवार को गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने पुंजापुरा-उदयनगर मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। मामला उदयनगर थाना क्षेत्र का है। गांव की महिला से उसी गांव के सुनील मालवीय ने दुष्कर्म किया। शुक्रवार रात पीड़िता के परिजन शिकायत दर्ज कराने उदयनगर थाने पहुंचे थे। पुलिस ने महिला अधिकारी के अभाव का हवाला देते हुए रिपोर्ट दर्ज नहीं की। उन्हें सुबह आने के लिए कहा। थाने से लौटने के बाद पीड़िता का 19 वर्षीय बेटा मानसिक रूप से बेहद आहत हो गया। आरोप है कि उसने गांव लौटकर कोटनाशक पी लिया।

बिना टोल चुकाए निकलने पर विवाद

लखनादौन टोल पर निहंग सिखों ने कर्मियों को पीटा

हरिभूमि न्यूज़ ► सिवनी

जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर स्थित मड़ई टोल प्लाजा पर शुक्रवार की रात को निहंग सिखों ने टोल कर्मचारियों पर हमला कर दिया। यह घटना दोपहर में हुई, जिसका सीसीटीवी फुटेज देर रात सामने आया। तीन वाहनों में सवार लोग बिना टोल चुकाए बूम बैरियर तोड़कर निकलने की कोशिश कर रहे थे। टोल कर्मचारियों ने उन्हें रोका, तो उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। टोल कर्मचारियों के मुताबिक सिखों ने शिफ्ट ईंचार्ज मुनेश सिंह बघेल पर हमला कर दिया। उन्होंने तलवार की मूठ, बेसबॉल डंडों, घूंसे और लातों से मारपीट की, जिससे मुनेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी जाते समय शिफ्ट ईंचार्ज का मोबाइल फोन छीनकर सिवनी की ओर भाग गए।

ईद उल फितर पर नमाज अदा कर अमन-चैन- खुशहाली की मांगी दुआ

शिया समाज ने जंग के खिलाफ लगाए अमेरिका और इजराइल मुदाबाद के नारे

लगभग ढाई सौ मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई

हरिभूमि न्यूज़ ► भोपाल

शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार अमन-चैन- खुशहाली की दुआ के साथ मनाया गया। इस साल राजधानी में ईद-उल-फितर उत्साह, आस्था और विरोध-तीनों के साथ मनाई गई। एक ओर ईदगाह और मस्जिदों में हजारों लोगों ने नमाज अदा कर भाईचारे का संदेश दिया, वहीं शिया समुदाय ने काली पट्टी बांधकर जंग पर विरोध दर्ज कराया और अमेरिका-इजराइल के खिलाफ नारेबाजी की। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ मुदाबाद के नारे

शाजापुर में काजी का विरोध, पुलिस ने बल प्रयोग किया

शाजापुर के कसेरा बाजार में नवनिर्वाचित शहर काजी रहमतुल्लाह का सम्मान समारोह हुआ। इस दौरान एक सामाजिक गुट ने विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने मुदाबाद के नारे लगाए। कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। विरोध का मुख्य कारण एक विवाह समारोह था जिसमें काजी रहमतुल्लाह ने डीजे बजाने का विरोध किया था। विरोध की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया।

मेरा सिंगल प्रीमियम प्लान!

LIC's

नव जीवन श्री

सिंगल प्रीमियम

यूआईएन: 512N390V01 • प्लान नं.: 911

आश्वासन

आराम

आत्मनिर्भरता

सुरक्षा

सिर्फ एक बार प्रीमियम भरें और पाएँ

- ₹1000/- की मूल बीमा राशि पर @ ₹85/- का गारंटीड ऑडिशनस.
- परिपक्वता/मृत्यु पर सेटलमेंट का विकल्प.
- मौजूदा पॉलिसीधारकों के लिए आकर्षक छूट.
- पॉलिसी अवधि के दौरान ऋण की सुविधा.

प्लान ऑनलाइन भी उपलब्ध है

(एक नॉन-पार, नॉन-लिंकड, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना)

LIC मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

डिजिटल

डिजिट करें: licindia.in

कॉल सेंटर सर्विस (022) 6827 6827

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/अपनी निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें | www.licindia.in पर जाएं

हमें यहाँ फॉलो करें: f y x i n LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉलस तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियां में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉलस मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. जोखिम कारकों, नियमों व शर्तों की अधिक जानकारी के लिए, कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका का ध्यान से पढ़ लें.

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हब पल आपके साथ

हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090

कहिए 'Hi'

LIC/R1/2025-26/10/Hin

देशभर में ईद-फितर मनाया गया

एजेसी►नई दिल्ली/ जयपुर

शनिवार को पूरे भारत में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। 30 दिनों के रमजान के रोजों के बाद, चांद दिखने पर लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की, एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और मिठाइयां बांटी। इस मौके पर घरों में विशेष पकवान जैसे सेवइयां और शीर खुरमा बनाए गए। जयपुर में ईद उल फितर के अवसर पर शनिवार को जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए और धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से इबादत की। शहर की ईदगाह, जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ी। ईदगाह में करीब एक लाख लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर अमन और भाईचारे का संदेश दिया।

खबर संक्षेप

गर्मी में चलेंगी कई वीकली, स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली। रेलवे ने गर्मी के में यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है।

इस पहल से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी, जिससे उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में कोई परेशानी नहीं होगी। सीएमएमटी से गोरखपुर स्पेशल ट्रेन, एलटीटी-बनारस-एलटीटी द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएंगी।

एआईएमआईएम का यूसीसी के खिलाफ प्रदर्शन

अहमदाबाद। शनिवार को अहमदाबाद की जामा मस्जिद के बाहर यूसीसी को लागू करने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने उपदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। लोगों ने ईद की नमाज के बाद बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन एआईएमआईएम की ओर से किया गया था। इस दौरान यूसीसी को वापस लेने की मांग की गई है।

अल-फलाह का संचालन हरियाणा सरकार करेगी

फरीदाबाद। यहां के धौज में स्थित बहुचर्चित अल-फलाह यूनिवर्सिटी का संचालन अब हरियाणा सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। सरकार की ओर से वरिष्ठ आईएस डॉ. अमित अग्रवाल को यूनिवर्सिटी का प्रशासक नियुक्त किया गया है। जेसी बोस वाईएमसी यूनिवर्सिटी से 6 अधिकारियों को ओएसडी तैनात किया गया है।

पानीपत के नेशनल हाईवे पर 2 दर्जन वाहन भिड़े

पानीपत। जिले में शनिवार सुबह मौसम के बदले मिजाज से नेशनल हाईवे-44 पर तबाही देखी। शनिवार को पूरा जिला घने कोहरे में रहा। विजिबिलिटी इतनी कम थी कि वाहनों को 5 मीटर दूर का रास्ता भी दिखाई नहीं दे रहा था। सिवाह बस स्टैंड के पास दो दर्जन से अधिक वाहन टकरा गए।

चुनाव आयोग ने राज्यों में ईवीएम का रैंडम आवंटन किया

निर्देशों का पालन किया जाए

एजेसी►नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने शनिवार को बताया कि असम, केरल और पुडुचेरी में पहला रैंडमाइजेशन पूरा हो गया है। आयोग ने इन विधानसभाओं के लिए चुनाव व 6 राज्यों में उपचुनावों का कार्यक्रम 15 मार्च को घोषित किया था। ईवीएम को 2चरणों वाली रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के माध्यम से उनके संबंधित मतदान केंद्रों को आवंटित किया जाता है। पहले चरण में जिला स्तर के गोदामों से विधानसभा क्षेत्रों को ईवीएम का रैंडम आवंटन किया जाता है जबकि दूसरे चरण में एसी स्तर से मतदान केंद्र स्तर तक ईवीएम का रैंडम आवंटन किया जाता है।



जयपुर-दिल्ली हाईवे पर पढ़ी नमाज, सामूहिक इबादत की, बरसे फूल

ईरान पर हो रहे हमलों के विरोध में प्रदर्शन भी किया



जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुस्लिम समुदाय ने नमाज अदा की

ईरान पर हो रहे हमलों के विरोध में जयपुर, सीकर और अजमेर सहित राजस्थान के कई जिलों में प्रदर्शन देखने को मिला। शनिवार को लोगों ने काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा की और मस्जिदों पर काले झंडे लगाए। कई स्थानों पर अमेरिका और इस्त्राएल के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।



दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा करते लोग



लखनऊ में भी की नमाज अदा

लोगों ने फूलों की बारिश से किया स्वागत

ईद के मौके पर अन्य समुदाय के लोगों ने नमाजियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया। हिंदू-मुस्लिम एकता समिति से जुड़े राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि समाज में कुछ लोग भेदभाव फैलाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि राम के बिना रमजान अधूरा है और ईद के बिना दिवाली। सभी धर्मों के लोगों को मिलकर रहना चाहिए और एकता को मजबूत करना चाहिए। रेली के दौरान शिया-सुन्नी भाई-भाई, हिन्दुस्तान जिंदाबाद जैसे नारे भी लगाए गए, जिससे आपसी एकता और देशभक्ति का संदेश देने की कोशिश की गई।



राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी बधाई, राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को ईद की बधाई दी है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा गया है, ईद पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम बहनों और भाइयों को हार्दिक बधाई। हम समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा है, ईदकी हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर करे कि यह दिन भाईचारे और सद्भाव को और बढ़ावा दे।

मथुरा में गोरक्षक बाबा की ट्रक से कुचलकर मौत के बाद बवाल

सड़क पर उतरे लोगों ने काटा हंगामा, हाइवे कर दिया जाम, पुलिस पर भी कर दिया पथराव



एजेसी►मथुरा

ईद के दिन मथुरा जिले के छाता क्षेत्र में गोसेवक बाबा चंद्रशेखर महाराज की ट्रक से कुचलकर हुई संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इस घटना से गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए और जमकर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने इसे केवल दुर्घटना मानने से इनकार कर दिया है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोगों ने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे-19) को पूरी तरह जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने हाईवे के दोनों ओर यातायात रोक दिया, जिससे लंबा जाम लग गया और आम यात्रियों व वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।इसी बीच अमर उजाला की रिपोर्ट के मुताबिक नाराज लोगों ने पुलिस पर पथराव किया।

आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी की

बाबा को क्षेत्र में गौ-तस्करी की गतिविधियों की जानकारी मिली थी, जिसके बाद वे टीम के साथ उनकी तलाश में निकले थे। इसी दौरान नवीपुर के पास उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद छाता पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर दी है।

राहुल ने पोस्ट में किया दावा चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कीमतें बढ़ेंगी

एजेसी►नई दिल्ली



मिडिल ईस्ट में चल रही जंग और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इसे लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार का घेराव किया। राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि रुपए

का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल स्पूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी- येसफि आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे। एमएसएमई को ज्यादा चोट लगेगी। एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। हर परिवार पर असर पड़ना तय है। चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों भी बढ़ा दी जाएंगी।

छाता क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण

आखिरकार सेना को उतारना बड़ा



लोगों ने इस तरह सड़क जाम कर दी

गोसेवकों की मांग- आरोपियों का एनकाउंटर करें

लोगों का आरोप है कि बाबा की मौत एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। वे लगातार ट्रक चालक की गिरफ्तारी और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। जब तक आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई,

एनकाउंटर जैसी मांग पूरी नहीं होती, तब तक जाम नहीं हटया जाएगा।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमों मौके पर पहुंच गईं। भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

संगठनों और समर्थकों में गुस्सा

बाबा का पार्थिव शरीर उनके गांव अंजनेोख स्थित गोशाला में लाया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक जुटे। बाबा ब्रज क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध थे। उनकी मौत की खबर फैलते ही कई संगठनों और समर्थकों में गुस्सा और दुख का माहौल है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने किया ऐलान

सीएम, मंत्रियों व विधायकों का वेतन कटेगा, दिहाड़ी का बढ़ेगा

एजेसी►शिमला



हिमाचल के सीएम सुक्खू ने बजट में सीएम, मंत्रियों, विधायकों से लेकर मुख्य सचिव से लेकर ए व बी श्रेणी कर्मचारियों- अधिकारियों के वेतन 50 से 3 प्रतिशत तक घटाने के लिए डेफर करने की घोषणा की है। क्लास 1 और 2 के कर्मचारी और अधिकारियों का 3 प्रतिशत वेतन 6 माह तक टाला

(डेफर) किया गया। मुख्यमंत्री के वेतन का 50, डिप्टी सीएम 40, मंत्री 30 और विधायक का 20 प्रतिशत डेफर करने की घोषणा की है। न्यायपालिका से भी ऐसा अनुरोध किया है।

न्यूनतम दिहाड़ी 750 की

सुक्खू ने कहा कि विधायक क्षेत्र विकास निधि को 2 करोड़ 20 लाख से घटाकर 1 करोड़ 20 लाख रुपए किया गया। ग्रेच्युटी का भुगतान भी किया जाएगा। अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करेंगे। दिहाड़ी को 750 रुपए करने की घोषणा की।

केरल विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज, पार्टियां तय कर रहीं प्रत्याशी

राज्यों में सियासी सरगर्मी

एजेसी►केरलम

केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ी है। इसी बीच भाजपा ने तीसरी उम्मीदवार सूची जारी कर चुनावी मुकाबले की ओर तेज कर दिया है। इस सूची में 11 उम्मीदवारों के नाम हैं, जिससे साफ है कि पार्टी अब पूरे जोर से चुनावी मैदान में उतर चुकी है। भाजपा ने तीसरी सूची में मुख्य रूप से दक्षिण के जिलों पर फोकस किया है। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम, कोवलम, पुथुप्पल्ली और चवारा जैसी सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

पुडुचेरी में भाजपा के 9 उम्मीदवार तय



पुडुचेरी में चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ी है। भाजपा ने पहली सूची जारी करते हुए 9 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इसमें पार्टी प्रमुख और वर्तमान गृह मंत्री ए. नमशिवायम का नाम भी शामिल है। इन्हें मान्दानडीपेट से टिकट दिया है।

कोलकाता। ईद पर बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने राजनीतिक संदेश देकर माहौल को गरम कर दिया। रेड रोड पर नमाज के बाद उन्होंने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है...' से लेकर 'खुदी को कर बुलंद इतना...' तक कहा। उन्होंने साफ कहा कि 'जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं, वो जहन्नुम में जाएं'।

जो बंगाल को निशाना बना रहे, वो जहन्नुम में जाएं

मथुरा के गोवर्धन पर्वत की पवित्र तलहटी पहुंचीं

राष्ट्रपति ने किया पौधरोपण, 21 किमी की परिक्रमा भी की

धार्मिक स्थलों की पवित्रता और पर्यावरणीय संतुलन का दिया संदेश



गोवर्धन पहुंचने वाली देश की पहली राष्ट्रपति

सेवायतों ने माला-पटुका पहनाकर किया स्वागत

कुछ दूरी पैदल चलने के बाद गोल्फ गाड़ी से तय की दूरी

गोवर्धन में शनिवार को देश की राष्ट्रपति ने श्रद्धा भाव के साथ पवित्र गोवर्धन पर परिक्रमा शुरू की। पहले उन्होंने गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर सेवायतों ने राष्ट्रपति का माला और पटुका पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने परिक्रमा की शुरुआत कुछ दूरी पैदल चलकर की, जिसके बाद गोल्फ गाड़ी से करीब 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पूरी की।

वे शनिवार को गोवर्धन पहुंचीं, जहां वे गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर रही हैं। द्रौपदी गोवर्धन पहुंचने वाली देश की पहली राष्ट्रपति भी हैं। शनिवार को दिल्ली लौटने से पहले राष्ट्रपति मुर्मू का गोवर्धन परिक्रमा का भी कार्यक्रम तय था। उन्होंने गोवर्धन पहुंचकर गोल्फ कार्ट के जरिए 7 कोस की परिक्रमा शुरू की। परिक्रमा पूरी होने के बाद वे नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

सुरक्षा का रखा गया खास ध्यान

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह पुलिस, पीएस सी और खुफिया एजेंसियों के जवान तैनात हैं। मार्ग को पहले से साफ-सुथरा कर सजाया गया, वहीं श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रबंध किए थे।



डा. ऑर्थो ही क्यों खरीदें ?



घुटना दर्द कमर दर्द कंधा दर्द कलाई दर्द

मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.



जोड़ों के दर्द की बेजोड़ दवा

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

हर बूंद में असर

Dr. Juneja's

डा. ऑर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment



ASIA'S MOST PROMISING BRAND

Dr. Ortho

An Ayurvedic Medicine

Oil

Helpful in Painful Conditions

20% EXTRA

Helpine : 7876977777 • www.drorthoil.com

पश्चिम एशिया में
और गहराया तनाव



» **आगामी हफ्ते में ईरान पर बढ़ेंगे हमले: काट्ज**

» **‘ऑपरेशन एपिक फ्यूरी’ के लक्ष्य पूरा करेंगे**

एजेंसी »तेहरान

ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर शनिवार को हवाई हमले की सूचना मिली है। ईरान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नतांज परमाणु संवर्धन सुविधा पर हवाई हमला हुआ, हालांकि किसी भी तरह के विकिरण रिसाव की सूचना नहीं है। नतांज, जो ईरान का मुख्य संवर्धन स्थल है, पहले भी युद्ध के शुरुआती हफ्तों में हमलों का निशाना बन चुका है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने पहले कहा था कि ऐसे हमलों से किसी भी तरह के 'रेडियोलॉजिकल परिणाम' की उम्मीद नहीं है। यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी। इस घटना ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चौथे सप्ताह में तनाव को और बढ़ा दिया है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमले काफी बढ़ जाएंगे। इराक ने सभी विदेशी तेल कंपनियों द्वारा विकसित तेल क्षेत्रों पर फोर्स मैजोर की घोषणा की है। यह कदम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में युद्ध और नौवहन में बाधाओं के कारण लिया गया।

ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर हवाई हमला, विकिरण रिसाव नहीं

यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी



ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर इजराइली सेना का हमला

अमेरिका ने ‘पैट्रियट’ मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया भेजा



पैट्रियट मिसाइल

अमेरिका ने बड़ी संख्या में ‘पैट्रियट’ मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध के कारण यूरोप और अन्य क्षेत्रों में पैट्रियट मिसाइलों का भंडार निश्चित रूप से कम हो रहा है और स्थिति काफी चिंताजनक है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय ‘व्हाइट हाउस’ की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए ‘ऑपरेशन एपिक फ्यूरी’ के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं।

मिडिल ईस्ट के बाहर ईरान का बड़ा हमला
हिंद महासागर में सैन्य ठिकानों पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य बेस ‘डिएगो गार्सिया’ पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। मिडिल ईस्ट की सीमाओं से दूर अमेरिकी ठिकाने पर ईरान का यह अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला माना जा रहा है। हालांकि, ईरान द्वारा दागी गई दोनों मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रहीं। एक मिसाइल उड़ान के दौरान टूट गई, जबकि एक अमेरिकी युद्धपोत ने दूसरी मिसाइल पर एसएम-3 इंटरसेप्टर दागा।

घटना निंदनीय: ब्रिटेन वहीं, ब्रिटेन ने ईरान द्वारा मिसाइल दागे जाने की घटना की निंदा की है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ईरान द्वारा पूरे क्षेत्र में हिंसक हमले करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंधक बनाए रखना ब्रिटिश हितों और ब्रिटिश सहयोगियों के लिए खतरा है। ब्रिटेन ने ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों में भाग नहीं लिया है, लेकिन उसने अमेरिकी बमवर्षकों को होर्मुज जलडमरूमध्य पर स्थित ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के ठिकानों का उपयोग करने की अनुमति दी है।

खबर संक्षेप

भारत-भूटान के बीच जल्द मनी ट्रांसफर सेवा नई दिल्ली। भारत और भूटान के बीच डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की गई है।



जल्द ही दोनों देशों के बीच यूपीआई के जरिए विदेश में पैसे भेजने की सुविधा शुरू की जाएगी। यह सुविधा डाक नेटवर्क के जरिए दी जाएगी, जिसमें यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के पोस्ट ट्रांसफर सिस्टम को भारत के यूपीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से जोड़ा जाएगा।

सिओल में आग लगने से 10 की मौत, 59 घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया में डेजॉन के वाहन कलपुर्जा कारखाने में संभवतः विस्फोट के कारण आग



लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, कम से कम 59 अन्य लोग घायल हो गए और 4 लोग लापता हैं। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि 25 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 500 से अधिक दमकलकर्मियों, पुलिसकर्मियों और आपातकालीन कर्मियों को तैनात किया गया है। आग लगने के कारण पता नहीं है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तराखंड के सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस पर बोले

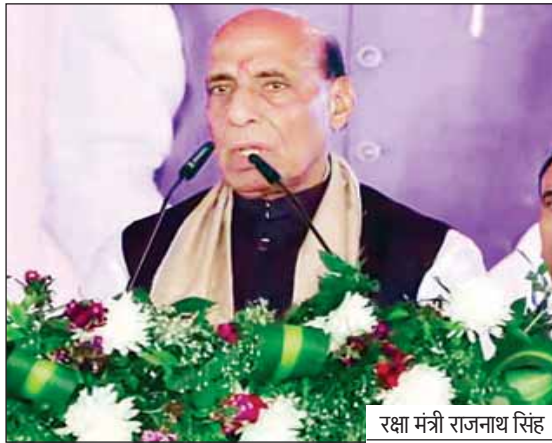
आधुनिक युद्ध सीमाओं से परे, ‘राष्ट्रहित’ की रक्षा के लिए सेना व नागरिकों का तैयार होना जरूरी

एजेंसी »नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध सीमाओं से परे चला गया है, जिसमें देश की सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाने की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने शनिवार को उत्तराखंड के घोड़ाखाल स्थित सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस और हीरक जयंती समारोह को वचुंअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज संघर्षों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। किसी भी राष्ट्र को आर्थिक, साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध के माध्यम से कमजोर किया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को हर समय सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों का एडमिशन कातिकारी फैसला

एनसीसी में कैडेट्स के एडमिशन की क्षमता अब 20 लाख



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

सही और गलत में फर्क करना सीखें

रक्षा मंत्री ने कहा कि तैयार रहने का मेरा मतलब युद्ध के लिए नहीं बल्कि सामने आने वाली हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने से है। यह तैयारी मानसिक दृढ़ता की है, ताकि आप कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखें। यह तैयारी बौद्धिक स्पष्टता की है, ताकि आप सही और गलत में फर्क कर सकें। उन्होंने युवाओं से अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने का आह्वान किया, ताकि वे हर चुनौती का सामना कर सकें।

एजेंसी »बीजिंग

एयर चाइना फिर से बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगा। यह जानकारी शनिवार को भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यूजिंग ने दी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में यूजिंग ने लिखा कि बीजिंग

और दिल्ली के बीच एयर चाइना की सीधी उड़ानें फिर से शुरू होना केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। यह व्यापार, पर्यटन और भरोसे को बढ़ावा देने वाला कदम है और संघर्ष सहयोग संगठन और ब्रिक्स के सदस्य देशों के लोगों के बीच आपसी सहयोग के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है। बता दें, पिछले

साल करीब पांच साल के अंतराल के बाद भारत और चीन ने फिर से हवाई सेवाएं शुरू कीं, जिससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार का संकेत मिला। एक फरवरी को एयर इंडिया ने संघर्ष और दिल्ली के बीच सीधी उड़ान की घोषणा की। इस तरह दोनों शहरों के बीच छह साल बाद फिर से उड़ान सेवा शुरू हुई।

एनआरसी की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

पाक हमलों के कारण 1 लाख से अधिक अफगानी बेघर, शिविरों में ली पनाह

» **लोग साफ पानी और स्वास्थ्य सेवा से वंचित**

एजेंसी »काबुल

800 घरों को पहुंचा नुकसान

एनआरसी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब तक करीब 800 घरों को नुकसान पहुंचा है, और परिवारों को इस नुकसान से उबरने में वर्षों लग सकते हैं। कैप्टीवी ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि लाइव में शामिल लोग अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करें। आम लोगों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को कच्ची भी मिशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।



अफगानिस्तान पर हमला कइल थोले

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय राहत

एजेंसी नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की रिपोर्ट दावा करती है कि तालिबान-पाकिस्तान के बीच लड़ाई के कारण 1,15,000 (एक लाख 15 हजार) से अधिक अफगानी बेघर हो गए हैं। अफगानिस्तान में एनआरसी के निदेशक जैकोपो कैरीडी ने कहा कि जिन परिवारों को अपना अस्तित्व खतरे में लग रहा था, उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। हजारों लोगों ने कामचलाऊ कैंपों और स्थानीय परिवारों की दया पर पनाह ली है। कड़्यों को घटिया घर किए गए पर लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसका खर्च उठाना भी मुश्किल है। उन्हें साफ पानी, स्वास्थ्य सेवा और बच्चों को स्कूली शिक्षा तक नहीं मिल पा रही है। फरवरी में अफगानिस्तान के कुनार और नंगरहार प्रांतों में पाकिस्तानी हमले शुरू होने के बाद से, 76 अफगान आम लोग मारे गए हैं और 213 घायल हुए हैं।

अजंता

AJANTA

ISO 9001:2015

ISO 22000:2018

ESTD. 1949

Food Color Preparation Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com

सदियों तक याद रहेगा मातृभूमि की रक्षा की लिए रानी अवंतीबाई का बलिदान : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रानी दुर्गावती से लेकर रानी कमलापति और रानी अवंतीबाई तक हमारी लोकनायिकाओं और वीरांगनाओं ने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे। मातृभूमि की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई ने जो बलिदान दिया, वह सदियों-सदियों तक अविस्मरणीय रहेगा।

डॉ. यादव शुक्रवार को रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर डिंडोरी जिले में आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रानी अवंतीबाई के अटल साहस और अमर त्याग को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए उनकी स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित भव्य संग्रहालय का लोकार्पण भी किया।

रानी अवंतीबाई बलिदान दिवस पर डिंडोरी में हुआ कार्यक्रम



कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

मुख्यमंत्री ने कहा कि सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में डिंडोरी में रानी अवंतीबाई की भूमिका ठीक वैसी ही थी, जैसी झांसी में रानी लक्ष्मीबाई की। जब अंग्रेजों ने राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को तोप से उड़ाकर कायरता दिखाई, तब इस पूरे क्षेत्र में क्रांति की मशाल रानी अवंती बाई ने अपने हाथ में ली थी। सन 1857 की क्रांति में रानी अवंतीबाई ने रेवांचल में मुक्ति आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद सन 1858 में जब अंग्रेजों ने एक विशाल सेना के साथ उन पर हमला किया, तब भी रानी ने झुकना स्वीकार नहीं किया। अपने मान-सम्मान और देश की अस्मिता के लिए उन्होंने लड़ते-लड़ते, हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने रानी अवंती बाई की शहादत को अविस्मरणीय बनाए रखने के लिए सागर में उनके नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना कर श्रद्धांजलि दी है।

रानी लक्ष्मीबाई जैसी थी रानी अवंतीबाई की भूमिका

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की डिंडोरी जिले की तारीफ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता जताई कि एनीमिया मुक्त भारत के संकल्प के साथ जिला प्रशासन डिंडोरी ने एक ही दिन में 50 हजार से ज्यादा महिलाओं और बेटियों की स्वास्थ्य जांच की। इस उपलब्धि के लिए डिंडोरी का नाम 'एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स' और 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हुआ है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। 14 से 15 साल की बेटियों को टीकाकरण (एचपीवी अभियान) में भी डिंडोरी जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के सपनों को पंख देने के लिए डिंडोरी जिले में 'पंखिनी अभियान' चलाया जा रहा है। इसमें बेटियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जा रही है। यह एक अभिनव प्रयास है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान के लिए जिला प्रशासन डिंडोरी को बधाई भी दी।

खबर संक्षेप

आउटसोर्स कर्मी नए श्रम कानून में हों शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों को भी एक अप्रैल से भारत सरकार के नए श्रम कानून वेतन वृद्धि सहित अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाए। यह मांग मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर की है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सभी शासकीय विभागों में तीन लाख से अधिक आउट सोर्स के जरिए कर्मचारी कार्यरत है। मप्र में अन्य राज्यों की तुलना में आउटसोर्स कर्मचारियों को बहुत कम मानदेय दिया जा रहा है। भारत सरकार के नए श्रम कानून मप्र पूरी तरह से लागू किए जाए तो आउटसोर्स कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने के साथ 10 से 11 हजार तक वेतन में वृद्धि भी होगी।

‘साधना’ सप्ताह से निखरेगा कामकाज

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यशैली और व्यवहार में सुधार लाने के लिए साधना सप्ताह का आयोजन करने जा रही है। योजना के तहत 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक साधना सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान अलग-अलग विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी कार्यप्रणाली के अनुसार विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में पूरा किया जाएगा, जिसकी अंतिम तिथि 30 मार्च तय की गई है।

सिलेंडर की समस्या के बीच राजगढ़ में थिंक गैस की निरंतर उपलब्धता

राजगढ़। सीजीडी कंपनियों में से एक थिंक गैस ने आज अपने ग्राहकों को आश्चर्य किया कि क्षेत्र में सीएनजी और पीएनजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। कंपनी ने बताया कि फिलहाल कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और उसके वितरण नेटवर्क में सामान्य संचालन जारी है। घरेलू ग्राहकों, आवश्यक सेवाओं और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी और पीएनजी सेवाएँ सामान्य रूप से जारी हैं। थिंक गैस के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी, विनूकुमार बालकृष्णन ने कहा, थिंक गैस में हमारी तत्काल प्राथमिकता सरकार के प्राथमिकता आवंटन ढाँचे के अनुरूप घरेलू खाना पकाने की आवश्यकताओं (पीएनजी) और परिवहन क्षेत्र (सीएनजी) के लिए आवश्यक सेवाओं के उपभोक्ताओं को हमारे सभी भौगोलिक क्षेत्रों में निबंध आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

चालक की सूझबूझ के चलते टला बड़ा हादसा

लाइन मार्किंग कार्य के दौरान मशीन में जबरदस्त विस्फोट, जनहानि नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

देवपुरी इलाके में शुक्रवार को सड़क पर चल रहे रोड मार्किंग कार्य के दौरान अचानक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। काम में लगी एक मशीन में अचानक आग लग गई, जिसके बाद कुछ ही देर में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज से आसपास का इलाका गूँज उठा और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारों के मुताबिक, सड़क पर लाइन मार्किंग का काम जारी था, तभी मशीन में तकनीकी खराबी के चलते आग भड़क गई। शुरुआत में मामूली दिख रही आग तेजी से फैलने लगी और स्थिति गंभीर हो गई। इसी बीच मशीन चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए जलती मशीन को तुरंत सड़क से हटाकर किनारे कर दिया। चालक का यह फैसला बेहद अहम साबित हुआ, क्योंकि जैसे ही मशीन सड़क से नीचे उतारी गई, उसमें जोरदार विस्फोट हो गया। अगर यह ब्लास्ट



सड़क के बीच होता, तो वहां से गुजर रहे लोगों और वाहनों को बड़ा नुकसान हो सकता था। धमाके के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए और बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे के पीछे तकनीकी खराबी या ज्वलनशील पदार्थों को कारण माना जा रहा है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

पीएम मोदी, सीएम डॉ. यादव, राज्यपाल पटेल का जताया आभार

जयभान सिंह पवैया 6वें वित्त आयोग के अध्यक्ष बने, पूर्व मंत्री बोले- मां भगवती का आदेश मानकर करूंगा सेवा

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

महाराष्ट्र के सह्रभारी और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया को राज्य वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष बनाए जाने पर जयभान सिंह पवैया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मुझे कल शाम को जब सूचना मिली, तो मैंने अनुभव किया कि नवरात्रि के पहले दिन की संंध्या को जगदंबा मां ने मुझे कोई आदेश दिया है। पवैया ने कहा कि वह मध्य प्रदेश की जनता की सेवा करने के इस दायित्व को



वित्त के सदुपयोग और पारदर्शिता पर जोर, पवैया ने रखी प्राथमिकताएं

जयभान सिंह पवैया नेकेंद्र से लेकर मध्य प्रदेश तक के संगठन के सभी पदाधिकारियों और पार्टी के प्रमुखों का भी आभार व्यक्त किया। पवैया ने इस बात पर जोर दिया कि भले ही यह एक संवैधानिक संस्था हो, लेकिन अपनी जा (संगठन) को नहीं भुला जा सकता, जिसके कारण वह आज सेवा के लायक बने हैं। उन्होंने संगठन का भी कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने यह अवसर प्रदान किया। उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक बहुत बड़ी

भगवती के चरणों में अर्पित करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंमू भाई पटेल के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त

जिम्मेदारी है और कार्यभार संभालने के बाद ही वह इस पर अधिक चर्चा कर पाएंगे। पवैया ने अध्ययन करने और मध्य प्रदेश का व्यापक भ्रमण करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि जमीनी हकीकत को समझा जा सके। उन्होंने कहा कि आयोग की भूमिका निकारों के बीच, गांव से लेकर महानगरों तक, वित्त का व्यापक वितरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की सलाहकार होती है। इसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होगी।

की। पवैया ने कहा कि इन नेताओं ने एक उच्च संवैधानिक संस्था, वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में उनकी क्षमताओं को परखा और उन पर विश्वास जताया।

भाजपा और सरकार के बीच संवाद को मिलेगा संस्थागत रूप

आरएसएस की नई रणनीति, सरकार संगठन समन्वय के लिए बनेगी समिति

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मध्य प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत एक नई प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जो राज्य सरकार और संगठन के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करेगी।

यह नई व्यवस्था मार्च 2027 से लागू किए जाने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, यह समिति विशेष रूप से सरकार और संगठन (भारतीय जनता पार्टी) के बीच संवाद, संपर्क और समन्वय को मजबूत करने की

जिम्मेदारी निभाएगी। अब तक यह समन्वय अनौपचारिक स्तर पर होता रहा है, लेकिन नई व्यवस्था के तहत इसे संस्थागत रूप दिया जाएगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बन सके। बताया जा रहा है कि इस समिति में प्रदेश स्तर के प्रमुख पदाधिकारियों को शामिल किया जाएगा। खासतौर पर प्रांत प्रचारक और प्रांत कार्यवाह की भूमिका इसमें अहम मानी जा रही है। यही नेतृत्व सरकार के साथ तालमेल बेजाने, नीतिगत मुद्दों पर संवाद करने और संगठन की बात को प्रभावी तरीके से शासन तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

विधानसभा चुनाव से डेढ़ से दो साल पहले समिति हो जाएगी सक्रिय

राजनीतिक दृष्टि से इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि मध्यप्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव से करीब डेढ़ से दो साल पहले यह समिति सक्रिय हो जाएगी। ऐसे में यह भाजपा और सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। माना जा रहा है कि आगामी चुनावों में संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने में यह समिति निर्णायक भूमिका निभाएगी।

शिक्षकों के समर्थन में आए पूर्व मंत्री शर्मा, सीएम को लिखा पत्र

भोपाल। शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा आदेश जारी होने के बाद शिक्षक संगठन लगातार विरोध कर रहे है। अब कांग्रेस के पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवर्गी ने भी शिक्षकों का समर्थन किया। शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिक्षकों को राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में रिज्यू पिटीशन दायर करे। शर्मा ने कहा है कि प्रदेश के बड़ी संख्या में शिक्षकों में डर और निराशा का माहौल बन गया है। अन्य राज्यों में भी इस मामले में पुनर्विचार याचिका दायर की गई है, इसलिए मध्य प्रदेश सरकार को भी शिक्षकों के हित में ऐसा कदम उठाना चाहिए।

प्रशासन की टीम अलर्ट, बचाव कार्य जारी बिलासपुर डैम का एक हिस्सा टूटा, कई गांवों में घुसा पानी



दो दिन पहले ही क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन से नहर में पानी खोलने की मांग की थी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। रायगढ़ जिले के बिलासपुर डैम का एक हिस्सा अचानक टूट गया। बिलासपुर डैम का गेट टूटने से कई गांवों में पानी घुस गया है। अचानक गांव में पानी घुसने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बांध टूटने की जानकारी मिलते ही ही प्रशासन की टीम अलर्ट हो गई है। प्रभावित गांवों में राहत और बचाव कार्य जारी है।

बिलासपुर जलाशय रायगढ़ जिले के भूपदवपुर में बना है। दो दिन पहले किसानों ने प्रशासन से नहर में पानी खोलने की मांग की थी। बताया जा रहा है कि इसके बाद डैम का एक गेट खोला गया था। लेकिन बहुत दिनों से मरम्मत नहीं होने के कारण गेट फंस गया था। शुक्रवार की रात गेट टूट गया जिसके बाद किसानों के खेत में पानी भर गया।

क्षेत्र में दहशत का माहौल बांध का गेट टूटने से पानी एनएच और पास के खेतों में फैल गया। खेतों में पानी भरने के साथ ही पानी दर्जनभर गांवों में पहुंच गया है जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन की टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचकर पानी का बहाव रोकने में जुटे हैं। राहत बचाव टीम मौके पर पहुंचकर डैम के टूटे गेट को मरम्मत करने में जुटी है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर लगातार पानी को रोकने की कोशिश में लगी है। टूटे हुए गेट को ठीक करने के लिए भी टीमें कई घंटे से काम कर रही हैं। लगातार पानी बहने से जलाशय का स्तर तेजी से कम हो रहा है, वहीं प्रभावित गांवों में राहत और बचाव कार्य जारी है। पानी का बहाव तेज होने के डैम खाली हो रहा है जिस कारण से लोगों को गर्मी में पीने के पानी की दिक्कत हो सकती है। प्रशासन के अनुसार, इस बांध से गर्मी में कई इलाकों में पानी की सप्लाई की जाती है।

तकनीकी खामियों और सर्वर की समस्याओं से मिलेगी राहत अब लाभार्थियों को अप्रैल माह में ही मिलेगा अगले तीन महीनों का चावल

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। अब अप्रैल महीने में ही तीन माह अप्रैल, मई और जून का चावल एक साथ वितरित करने का निर्णय लिया है। दरअसल, पिछले कुछ समय से तकनीकी खामियों और सर्वर की समस्याओं के कारण राशन वितरण प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही गोदामों में स्टॉक की कमी ने भी स्थिति को जटिल बना दिया था। फरवरी और मार्च में भी वितरण को सुचारू रखने के लिए अस्थायी उपाय किए गए, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए खाद्य विभाग ने नई रणनीति अपनाई है।



सभी उचित मूल्य दुकानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मार्च के अंत तक पर्याप्त मात्रा में चावल का भंडारण सुनिश्चित करें, ताकि अप्रैल के दौरान हितग्राहियों को बिना रुकावट राशन दिया जा सके।

पहले की तरह रहेगी सभी औपचारिकताएं: नई व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को राशन प्राप्त करने के लिए पहले की तरह ई-पास

मशीन में बायोमेट्रिक सत्यापन कराना होगा। इसके बाद उन्हें एक साथ तीन महीने का चावल उपलब्ध कराया जाएगा। इस बदलाव की जानकारी दुकानों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार भी किया जाएगा। सरकार ने वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए अप्रैल में चावल उत्सव आयोजित करने का भी निर्णय लिया है। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर निगरानी करेंगे। किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

हरिभूमि जबलपुर।

जांच के दौरान, यह पता चला कि आरोपी ने भ्रष्ट तरीकों से 'अपराध से अर्जित आय' उत्पन्न की थी और बाद में अवैध नकदी को बैंकिंग प्रणाली में डालकर भोपाल, मंडला, उमरिया और सिवनी जिलों में स्थित कई अचल संपत्तियों और

सहित अन्य व्यक्तिकारियों ने जानकारी दी कि रेली में विभिन्न समाजों की महिलाएँ पीत वस्त्र धारण करके अपने-अपने वाहनों पर सवार होकर भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ शामिल होंगी।आयोजकों के अनुसार रेली नर्सिंग मंदिर से प्रारंभ होकर आदिशंकराचार्य चौक, गोरखपुर मंदिर, श्री कृष्ण मंदिर, गोरखपुर द्वार, कटंगा तिराहा, नर्मदा रोड, हांडा पेटोल पंप के आगे से रतन कॉलोनी, दुर्गा मंदिर, हाथीताल होते हुए श्रीराम मंदिर मदन महल में समाप्तन होगा।आयोजन से जुड़ी ईटुलता प्यासी, सीमा सिंह, रुचि गुलाटी, सुष्मा कोहली, नीतू सोनी और पूजा खेड़ा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने शहर की सभी बहनों से इस भव्य रेली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

थी उसके आधार पर 2026 की लिस्ट तैयार की गई है, 2019 की फाइनल लिस्ट को ध्यान में नहीं रखा गया। यदि किसी भी अधिवक्ता को जो मतदान करने हेतु पात्र है, उसका नाम वोटर लिस्ट से हटाया गया तो वकील आंदोलित हो जाएंगे।

जबलपुर, हरिभूमि।

सांसद दुबे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंडियन कॉफी हाउस का जबलपुर से 68 वर्षों का गहरा संबंध है और यह उनके परिवार की तरह है। अपने संबोधन में उन्होंने जबलपुर-गोंदिया रेलवे लाइन के दोहरीकरण को क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे

रंगदारी
वसूलने
खेरा में
वारदात

बिल्डर पर अज्ञात बदमाशों ने चलाए चाकू

वह सुशोला परिसर गेट के पास पहुंचे, वहां मौजूद तीन अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे। संदीप गुप्ता ने जब पैसे देने से मना किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों युवक ने चाकू निकालकर उनकी दाईं जॉयंट पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले के बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। गोहालपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 118(1), 119(1), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रैबीज का इंजेक्शन लगते ही मासूम की मौत

जबलपुर। मझगावां थान अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में श्वान के काटने के बाद 2 साल का मगसुम बच्ची को रैबीज इंजेक्शन लगाने के बाद तबियत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया। आक्रोशित लोगों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मझगावां थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मझगावां निवासी दिवंगत वंशकर का 2 वर्षीय बेटों की श्वान ने काट लिया था, जिसके बाद उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उसे एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया गया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगने के बाद बच्ची की हालत बिगड़ती गई, लेकिन समय पर उचित उपचार नहीं मिल सका जिससे उसकी मौत हो गई। इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो जाने से गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सामानों में जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए जांच का आश्वासन दिया है।

वासंतेय नवरात्र पर मंदिरों में लगी कतार

हरिभूमि जबलपुर ।

लोडिंग वाहन
में मवेशी चुराने
का प्रयास

अधरताल थानातर्गत गौवंशीय पशुओं व
उठाकर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों के
1 वर्षीय श्रेष्ठ हुसैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई।
शोर सुनाई देने पर वह बाहर निकला।
मंडी निवासी आरोपी समीर, मोहसिन अ
भाई तौसीफ एवं मौहल्ले के लोगों ने आरो
का अपराध पंजीबद्ध कर, क्षतिग्रस्त लो

ए में बह रही शक्ति भक्ति की बयार

[illegible]

श्रद्धालु भक्तों का पहुंचना प्रारंभ हो गया है। माँ भगवती के तीरपरे स्वरूप चन्द्रघंटा का पूजन सुबह से से देर रात तक किया गया। आचार्य देवेन्द्र पोद्दार बताते हैं कि मैया चन्द्रघंटा के लगातार पर आधे चन्द्रमा की आकृति अलंकित है और ऐसी धार्मिक मान्यता है कि माँ चन्द्रघंटा का पूजन पूर्ण श्रद्धा और अस्थिरता के साथ करने पर आसुरी शक्तियों और बुरी प्रवृत्तियों का विनाश हो जाता है और मनुष्य का जीवन शुश्रियों और आनंद से भर जाता है।

शहर की सुंदरता और सुरक्षा दोनों से हो रहा खिलवाड़

हवा-पानी में होर्डिंग्स पोस्टर दे गए दुर्घटनाओं के संकेत

बिजली विभाग भी बेपरवाह

बिलीजी विभाग की भी हालत खराब है। पूरा काम आउटप्लेस में कमिश्नरियों के माध्यम से चल रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों को विभाग में समाप्त हो गया है। शाम 7 बजे के बाद सरकारी बंदर उठते ही नहीं है लोग शिकायत निराकरण के लिए प्रस्थान होते हैं। जरा सा हवा पानी में विलुप्त व्यवस्था छिन्न भिन्न हो जाती है। बिलीजी खंड में झूल रहे नारों को व्यवस्थित करने की जहमत नहीं उठाई जा रही है। बड़े फाल्ट होने पर घंटों सुधार नहीं हो पाता। बिजली डेरूला व्यवसायिक कनेक्शनों में अवरोध आने पर 24 से 48 घंटों तक शिकायत उठते नहीं होती। राज्यस्तरीय कॉल सेंटर 1912 बार-बार रटो रटाया जवाब सुनता है। आपकी शिकायत संबंधित अधिकारी तक भेज दी है। है जल्द ही आपकी शिकायत का समाधान होगा। दरअसल आउटप्लेस स्टॉफ में ठेकेदार की गनगानी चल रही है। पर्याप्त उचित और साधन होने के बावजूद भी उनका घचित दोहन नहीं हो रहा। स्वीकृत से कम संख्या में स्टॉफ तैनात किया जाता है। जिससे लोगों को समय पर राहत नहीं मिल पाती।

गोहलपुर में जमे
थे 3 जुओं के फड़

जबलपुर। गोहलपुर थाना क्षेत्र में एक नही तीन-तीन जुआ फंड जप्त हुये थे। पुलिस ने इन फंडों पर छापामारक 15 जुआईयों को गिरफ्तार कर मजदू 5 हजार 425 रुपए जब्त किए। गोहलपुर थाना प्रमारी रींशर कुमार पांडे ने बताया कि तब दिवस मुखर्षि करी जुआन पर गाजी मिया मेढान में बिजली खन्ने के नीचे जुआ मन्ना खल रहे मुजाना अंसारी, शरफरजान अम्हद, आजाद अउ बबलू, मोह. आहिय, गुलशेर अम्हद को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के पते तथा 2 हजार रूपये जप्त किये गये। इसी प्रकार गाजीमिया मेढान में दबिख देते हुये बिजली खन्ने के नीचे उजाले में जुआ खेल रहे जुआड़ी सलीम अंसारी, अब्दुल रहीम, मोह. शाहिद, साकिर अंसारी, मोह. अन्गार, शरहाद अंसारी को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पते तथा 2 हजार 605 रूपये जप्त किये गये। इसी तरह नम्दना नगर बस्ती निमाण्णथीन मकान के सामने बिजली खन्ने के नीचे उजाले में दबिख देते हुये जुआड़ी रमाशकर यादव, सिराज अंसारी, नागेन्द्र गुप्ता, निराल कंद कुशाहा को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के पते तथा नगदी 820 रूपये जप्त किये गये। पुलिस ने सभी जुआअरीयों के विरुद्ध द्वाहा 1 जुआ अएक के तहत कार्याधी की गई।

सड़कों के नहीं
भरे गड्ढे, स्ट्रीट
लाइट्स बंद

जबलपुर। आदिशक्ति में जगदम्बे की आपसना का महापर्व चैत्र नवरात्र गुरुवार से प्रारंभ हो गया। रंग बिरंगी विधुत छठपों से मिररों की सजावट गया है। देवी देवालयों में जवारों की स्थानाभना होगी और देवी भवत नौ दिनों का उपवास करेगी। नवरात्रि पर नौ दिनों तक धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला अनवरत चलना। बाजारों में पूजन सामग्री की दुकानें सज गई हैं। फलहारी आईटमों की आवाक भी अच्छी हुई है। वहाँ अभी तक प्रशासनिक स्तर पर की जाने वाली तैयारियाँ नदारत है। सड़कों पर अंधेरा छाया हुआ है स्ट्रीट लाइट्स बंद पड़ी हुई हैं। मंदिरों के आसपास और मुख्य मार्गों पर साफ सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। ऐसे में श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है। रात में पुलिस गश्त की व्यवस्था भी अब लाजमी हो गई है।

चैत्र नवरात्र प्रारंभ व्यवस्थाएं नदारद

खेरमाई मंदिर में जल ढारने रात 3 बजे से ही नहा धोकर घरों से निकल पड़ती है। अंधेरे में मंदिर का रास्ता तय करने के लिए यहां सड़कों पर स्ट्रीट लाईट और साफ सफाई की व्यवस्था दुस्त होनी चाहिए। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस को पेट्रोलिंग व्यवस्था भी चुस्त होनी चाहिए। रात में आवागमन करने वालों पर कड़ी पाबंदी लगायी जाये ऐसी जनापेक्षा है।

बहरहाल दो दिन पहले चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो चुका है। इस नवरात्र को भगवान् श्री राम और शिर्डी के साईं बाबा के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। देवी भक्तों के साथ साथ श्री राम और श्री साईंनाथ के भक्त भी भक्तिभाव में लीन रहते है। लिहाजा देवी मंदिरों के साथ-साथ श्री राम साईं के मंदिरों में साफ सफाई और प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी को उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम



विरलेषण
प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पूरे ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। कूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रेटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

.....

सतर्कता के बावजूद रसोई गैस बनी बड़ा मुद्दा !



चिंतन
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

रसोई गैस की आपूर्ति उतनी बाधित नहीं है, जितना यह प्रचारित किया जा रहा है कि देश में एलपीजी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने कई बार भरोसा दिलाया है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के साथ-साथ अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। अररा का की और से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि किसी भी नागरिक को घरेलू गैस के कारण परेशानी न हो। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर गैस को लेकर बढ़ती दिक्कतों का असर साफ दिखाई दे रहा है। कालाबाजारी करने वाले आदमों ने अवसर तलाश रहे हैं, वहीं विपक्षी दल इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर दबाव बनाने से नहीं चूक रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि मध्य-पूर्व का यह संघर्ष और गहराता है तो ईंधन संकट भी बढ़ सकता है। उधर, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अब ईंधन युद्ध का रूप लेता नजर आ रहा है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, केरल, असम, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में ईंधन का मुद्दा विपक्ष के लिए बड़ा चुनौती भविष्य बन सकता है। भारत में ऊर्जा संकट, खासकर घरेलू गैस (एलपीजी) की बढ़ती कीमतें और आपूर्ति संबंधी समस्याएं अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं रहीं, बल्कि राजनीतिक विषय बनती जा रही हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनावों पर इसका सीधा असर मतदाताओं के व्यवहार और चुनौती रणनीतियों पर पड़ सकता है।आम आदमी घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों और अस्थिर अनुपलब्धता से परेशान है। मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए रसोई गैस एक महंगा संसाधन बनती जा रही है। कई जगह लोग फिर से पारंपरिक ईंधनों यानी लकड़ी, कोयला और केरोसिन की ओर लौटने को मजबूर हैं। ऐसे में केंद्र सरकार के सामने पर्याप्त सुलभ और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वैसे देश भर में पेट्रोल या डीजल की कीमतें बढ़ने से भी लोग परेशान दिखाई दे रहे हैं। विपक्षी दल पहले से ही महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं। ऐसे में रसोई गैस का मुद्दा भी चुनौती भव पर प्रमुखता से उठाया जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर इस पर लगातार बहस हो रही है। कुछ राज्यों में ईरान-इजरायल-अमेरिका के तनाव के संदर्भ में ईंधन की संभावित कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका असर दिखने लगा है। उच्चला योजना के तहत कनेक्शन मिलने के बावजूद,

रिफिल की बढ़ती कीमतों के कारण उपयोग घट रहा है। इससे योजनाओं की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष इसे 'रोषका बराना वास्तविकता' के रूप में पेश कर रहा है, जो चुनौती है कि देश को सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं यह भी संभावना है कि केंद्र और राज्य सरकारें एलपीजी पर सब्सिडी, उच्चला लाभार्थियों को रहत और कीमतों को नियंत्रित करने जैसे कदमों के जरिए मतदाताओं या साधने की कोशिश करें। चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है। शहरी मतदाता पहले से ही बिजली, पानी और रोजगार जैसे मुद्दों से जूझ रहे हैं। ऐसे में घरेलू गैस की कीमतों में उनके लिए अहम मुद्दा बन गई है। गैस की कमी की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र सरकार सतर्क है, लेकिन अलग-अलग राज्यों की परिस्थितियों के अनुसार इसका प्रभाव निम्न हो सकता है।यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिस पर केंद्र सरकार का सीधा नियंत्रण नहीं है।

फिर भी आम जनता इसे घरेलू नीतियों से जोड़कर देखती है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह घरेलू जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों के बीच संतुलन कैसे बनाए। साफ है कि रसोई गैस का मुद्दा आने वाले विधानसभा चुनावों में एक संवेदनशील और निर्णायक बन सकता है।



राई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी हैं। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

कूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ी

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरूआती ट्रेड में कूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि कूड तेल और गैस की कीमतें कहाँ जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रस लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजराइल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी

.....

बढ़ाना ही होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन



चुनौती
उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोतरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है। पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से

.....

ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत



दृष्टिकोण
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अंगला दल एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जनाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अवाकफ उछलकर एक सी बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बाबंद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त

आर्थिक दबाव बढ़ेगा। ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की

.....

आर्थिक दबाव बढ़ेगा। ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की

.....

पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, बाजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है। हालांकि, भारत

निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके कारण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन न्यूक्लिय मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फीसदी गैस प्रयोग करता है।

भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी देशों के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। कूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रेटैजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

.....

दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है।ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए



मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है।

विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा। भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों

.....

दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है।ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए

.....



इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।

हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत

में पीएनजी यानी पाइड नेचुरल गैस और

एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खर्च में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च

.....

दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है।ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए

में पीएनजी यानी पाइड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खर्च में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च

काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभार्थ का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खान पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक

उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

.....

दिनेश शर्मा 'दिनेश'.....

विरष्टि संतंभकार

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और बाजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा किसानों में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेरोजगार,खाद्य अभाव,सूखे।। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास को के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगा।। इस संभावित ख़तरदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और वेनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सुल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सहेत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। इसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी और भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है। इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे।

हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया की एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर घर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यह है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल, ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, अगर एक बात तो तय है कि भारत को अब अपनी ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करना होगा। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए किसी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक रणनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।



रातों-रात भूतों ने किया था मंदिर का निर्माण, बिना सीमेंट-चूने के खड़ा मजबूती से

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुरैना में एक ऐसा मंदिर है जिसका रहस्य बड़े-बड़े इंजीनियर भी नहीं समझ पाए हैं। 11वीं सदी के इस मंदिर में न तो सीमेंट, न ही मिट्टी या चूने का इस्तेमाल हुआ है। यह सिर्फ पत्थरों पर बना है, पत्थर पर बेलेंस बनाकर। यह 100 फुट ऊंचा स्टूक्चर ऐसा दिखता है जैसे कभी भी गिर सकता है, लेकिन 1,000 सालों से तूफान भी इसे चकमा नहीं दे पाए हैं। गांव वालों का कहना है कि भूतों ने इसे एक ही रात में बनाया था, और सुबह होने पर काम अधूरा छोड़ दिया था। क्या यह सच में कोई चमत्कार है या पुरानी कारीगरी का जादू? आइए जानें इस रहस्यमयी मंदिर की पूरी कहानी।

सूखे पत्थर की चिनाई तकनीक का इस्तेमाल

ककनमठ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसकी सबसे खास बात इसका स्टूक्चर है। इसे सूखे पत्थर की चिनाई तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया है। आप मंदिर के पत्थरों के आर-पार देख सकते हैं। ऐसा लगता है जैसे किसी ने लेगो ब्लॉक का इस्तेमाल करके इतना ऊंचा मंदिर बना दिया हो। लोग कहते हैं कि इस मंदिर के पत्थर हवा में लहराते हुए लगते हैं, लेकिन मंदिर खुद अपनी जगह से नहीं हिलता।

मध्य प्रदेश का रहस्यमयी मंदिर



क्या सच में इसे भूतों ने एक रात में बनाया था?

गांव के बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि यह मंदिर ईसानों ने नहीं, बल्कि भूतों और अनदेखी ताकतों ने बनाया था। कहा जाता है कि इन ताकतों ने एक ही रात में बनाना शुरू कर दिया था। वे पत्थर जोड़ते रहे, लेकिन जैसे ही सुबह की पहली किरणें निकलीं, भूतों को अपना काम छोड़कर भागना पड़ा। सुबह होने की वजह से वे मंदिर का ऊपरी हिस्सा और उसके आस-पास का हिस्सा पूरा नहीं कर पाए। यही वजह है कि आज भी मंदिर अधूरा लगता है, जिसके पत्थर बिखरे हुए हैं।

इसकी कहानी अभी भी अनसुलझी है

चाहे आप भूतिया कहानियों पर यकीन करें या साइंस पर, ककनमठ मंदिर आपको हैरान कर देगा। यह मंदिर आज भी मुरैना के सुनसान इलाके में शान से खड़ा है। आज भी इसे देखने वाले लोग हैरान रह जाते हैं कि उस जमाने में बिना किसी सहारे, बिना किसी मॉडर्न मशीन के इतने भारी पत्थर इतनी ऊंचाई पर कैसे रखे गए होंगे।

साइंटिस्ट क्या कहते हैं?

रिकॉर्ड के मुताबिक, इसे 11वीं सदी में राजा कीर्तिराज ने बनवाया था। यह एक बड़ा मंदिर था, जिसके चारों ओर कई छोटे मंदिर थे। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के मुताबिक, समय के साथ आए तेज भूकंप और बाहरी हमलों की वजह से आस-पास के मंदिर गिर गए, और मुख्य मंदिर का बाहरी ढांचा भी गिर गया। आज हम जो हिस्सा देखते हैं, वह गर्भगृह और मुख्य शिखर है। पत्थरों का सही बैलेंस ही वजह है कि यह आज भी बिना किसी जोड़ के खड़ा है।

देश के रहस्यमय धार्मिक स्थल, जिनके निर्माण का राज आजतक कोई नहीं जान पाया

नई दिल्ली। भारत को आस्था, आध्यात्मिकता और पुराने रहस्यों की धरती माना जाता है। यहां कई धार्मिक जगहें ऐसी हैं जो रहस्य, आर्किटेक्चर और इतिहास को समेटे हुए हैं, जो रिसर्चर्स और इतिहासकारों के लिए आज भी एक रहस्य है। इन जगहों के बारे में मान्यताएं, किंवदंतियां और साइंटिफिक तर्क अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन एक बात पक्की है: इनकी रहस्यमयी कहानियां लोगों को आज भी हैरान करती हैं। आइए भारत की पांच ऐसी धार्मिक जगहों के बारे में जानते हैं, जिनके बनने को लेकर आज भी कई सवाल उठते हैं।

इनके इतिहास और अनसुनी कहानियां जेहन में भर देती हैं रोमांच



महाराष्ट्र की एलोरा गुफाओं में मौजूद कैलाश मंदिर को दुनिया के सबसे शानदार आर्किटेक्चरल अजूबों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर को ऊपर से नीचे तक एक ही बड़ी चट्टान से तराशा गया था। पुराने समय में बिना मॉडर्न मशीनरी के इतना बड़ा और जटिल स्ट्रक्चर कैसे बनाया गया, यह एक रहस्य बना हुआ है। इतिहासकार इसे राष्ट्रकूट वंश का मानते हैं, लेकिन बनाने के तरीके अभी भी साफ नहीं हैं।



आंध्र प्रदेश का लेपाक्षी मंदिर अपने 'लटकते खंभों' के लिए मशहूर है। कहा जाता है कि इस मंदिर का एक खंभा पूरी तरह से जमीन को नहीं छूता है। लोग उसके नीचे देखने के लिए एक कपड़ा हटाते हैं। पुराने जमाने में इतनी सटीक इंजीनियरिंग कैसे मुमकिन हुई, यह आज भी रिसर्च का विषय है।



ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर अपने रहस्यों के लिए दुनिया भर में मशहूर है। कहा जाता है कि मंदिर के शिखर पर लगा झंडा हमेशा हवा की उल्टी दिशा में लहराता है। इसके अलावा, ऐसा माना जाता है कि मंदिर के ऊपर से पक्षी नहीं उड़ते। मंदिर का आर्किटेक्चर और इसके रहस्य आज भी लोगों को हैरान करते हैं।



तमिलनाडु में बृहदेश्वर मंदिर चोल वंश के आर्किटेक्चर का एक शानदार उदाहरण है। इसका विशाल शिवलिंग और ऊंचा गोपुरम हैरान करने वाला है। कहा जाता है कि इसके ऊपर रखे पत्थर का वजन कई टन है। इसे इतनी ऊंचाई तक कैसे पहुंचाया गया, इसका रहस्य अभी भी अनसुलझा है। भारत में ये धार्मिक जगहें न केवल आस्था के केंद्र हैं, बल्कि इतिहास और आर्किटेक्चर के अद्भुत उदाहरण भी हैं।

ये नन्हें खरगोश असल में हैं बहुत होनहार कायम कर चुके हैं अनोखे विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। खरगोश छोटे और प्यारे दिखने वाले पालतू जानवर होते हैं, जिनका चंचल स्वाभाव दिल जीत लेता है। आपको खरगोश दिनभर खेलते-कूदते और शरारत करते नजर आ जाएंगे। हालांकि, कुछ ऐसे होनहार खरगोश भी होते हैं, जो अपनी प्रतिभा से इतिहास रच चलते हैं। आज हम आपको कुछ प्रतिभाशाली खरगोशों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने कुछ कमाल के विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। इनकी कहानी आपको हैरत में डालेगी और प्रेरित भी करेगी।

सबसे लंबी छलांग लगाने वाला खरगोश: खरगोश छलांग लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। औसतन, एक स्वस्थ वयस्क खरगोश 2 से 4 फीट ऊंचा कूद सकता है। हालांकि, डेनमार्क के एक खरगोश ने अपनी लंबी छलांग के जरिए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। इस खरगोश का नाम याबो था, जिसने 3 मीटर यानि 9 फीट 9.6 इंच लंबी छलांग लगाई थी। यह कमाल उसने 12 जून, 1999 को किया था और अब तक उसका रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ सका है।

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, करोड़ों में है जिनकी कीमत

नई दिल्ली। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जर्सी को एक बार पहन लिया, वे करोड़ोंमती हो जाते हैं। उन्हें खरीदने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करते से भी पीछे नहीं हटते हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको अब तक बिकने वाली सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी के बारे में बताएंगे।

मेसी की विश्व कप फाइनल की जर्सी

लियोनल मेसी को बच्चा-बच्चा जानता है। जाहिर सी बात है कि उनका नाम इस सूची में जरूर शामिल होगा। मेसी की 2022 के विश्व कप फाइनल की जर्सी दुनिया की दूसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है। इसे पहनकर ही उन्होंने 36 साल बाद अर्जेंटीना को विश्व कप जीताया था। उनकी इस प्रतिष्ठित जर्सी की कीमत 75 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी थी। इसे सोथबी नाम के नीलामीघर ने बेचा था।



सबसे लंबा खरगोश

आम तौर पर खरगोश छोटे होते हैं, लेकिन उनका आकार उनकी नस्ल पर निर्भर करता है। हालांकि, फ्लेमिश जायंट प्रजाति खरगोशों की सबसे बड़ी नस्ल है। इसी प्रजाति के एक खरगोश ने दुनिया के सबसे बड़े खरगोश का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसका नाम डारियस है, जो कि यूनाइटेड किंगडम का रहने वाला है। उसकी लंबाई 4 फीट 3 इंच यानि 129 सेंटीमीटर है। उसकी मालकिन एनेट एडवर्ड्स को उस पर गर्व है।

सबसे ज्यादा जीने वाला खरगोश

खरगोश औसतन 3 से 5 साल तक जीवित रहते हैं, लेकिन उनका जीवन काल उनकी नस्ल पर निर्भर करता है। हालांकि, 1964 में एक खरगोश का जन्म हुआ था, जो 18 साल और 10.75 महीने तक जीवित रहा था। यह दुनिया का सबसे लंबे समय तक जीने वाला खरगोश कहलाया और 1983 में दुनिया को अलविदा कह गया। इस खरगोश का नाम फ्लॉपी था, जो अस्ट्रेलिया का रहने वाला था।

बास्केट बाल खेलने वाला खरगोश

आपने कभी सोचा भी नहीं होगा, लेकिन एक खरगोश ऐसा भी है, जो बास्केटबॉल खेल सकता है। डी जी हां, इसके नाम एक मिनट में बास्केटबॉल से सबसे ज्यादा गोल करने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। इस होनहार खरगोश का नाम ब्रिन द बनी है, जिसने एक मिनट के अंदर 7 बार बास्केट में गेंद डाली थी। वह अमेरिका का रहने वाला था और उसने यह रिकॉर्ड 31 अक्टूबर, 2016 में कायम किया था।

इंसानों की एंट्री तक पर लगा है प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारत अपने अलग-अलग कच्कर, अनोखी परंपराओं और रहस्यमयी कहानियों के लिए जाना जाता है। हर राज्य और हर गांव में कुछ न कुछ अनोखा होता है, लेकिन कुछ जगहें ऐसी भी हैं जहां लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी जीते हुए अचानक रहस्यों और अजीब घटनाओं का सामना करते हैं। ऐसा ही एक छोटा सा गांव महाराष्ट्र के कोंकण इलाके में है, जो अपनी रहस्यमयी जीवनशैली के लिए जाना जाता है। इस गांव का नाम चिंदर गांव है।

पुरानी कहानियों के अनुसार, एक खतरनाक जंगली सूअर (वराह) और उससे जुड़ी बुरी आत्माएं कभी इस गांव में थीं। फिर गांव के देवता रावलनाथ और इन आत्माओं के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें कहा गया कि हर कुछ साल में, पूरा गांव तीन दिनों के लिए आत्माओं और देवताओं के लिए छोड़ दिया जाएगा। इस नियम को मानने से गांव सुरक्षित और शांत रहता है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जर्सी

सबके चहीते और फुटबॉल के गॉट कहलाए जाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जिक्र किए बिना यह सूची पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए जिस जर्सी में पहला मैच खेला था, वह दुनिया की 5वीं सबसे महंगी जर्सी है। यह उनके सफल करियर की शुरुआत का प्रतीक है, जिसके चलते यह और भी ख़ास बन जाती है। इसे 48 लाख रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया था और यह आज भी बेहद ख़ास मानी जाती है।

माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी

डिएगो माराडोना अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1986 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वह इस सूची में पहले स्थान पर है। उन्होंने इसे अपने प्रसिद्ध 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के दौरान पहना था।

साल में एक बार पूरा गांव हो जाता है खाली

इस गांव में सादी जिंदगी जीने वाले लोग रहते हैं, लेकिन साल में एक बार यहां कुछ ऐसा होता है जिससे पूरा गांव खाली हो जाता है। पर, सड़कें और दुकानें सुनसान हो जाती हैं। लोग अपने दरवाजे बंद करके गांव छोड़कर चले जाते हैं, तीन दिनों तक गांव में कोई नहीं रहता। यह घटना किसी डरावनी आत्मा से कम नहीं लगती, लेकिन यह सदियों पुरानी परंपरा है।

गांव के खाली होने का रहस्य

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस दौरान गांव में देवता और आत्माएं आती हैं। ये आत्माएं और दिव्य शक्तियां गांव में शांति से रहना चाहती हैं, और अगर कोई व्यक्ति उनके बीच रहता है, तो गंभीर बीतीजे हो सकते हैं। इसलिए, सभी को तीन दिनों के लिए गांव छोड़ना पड़ता है।

तीन दिनों के बाद क्या होता है?

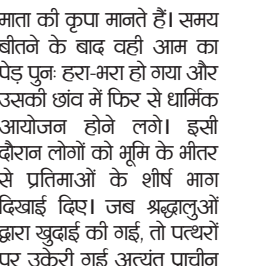
तीन दिनों के बाद, गांव का पूजारी मंदिर में पूजा करता है और देवता से अनुमति मिलने के बाद गांव लौट जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को देव-पालन भी कहा जाता है। यह सिर्फ एक परंपरा नहीं है, बल्कि गांव के लिए इसका सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। यह परंपरा एक रहस्यमयी रस्म है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और गांववालों की आस्था, सांस्कृतिक पहचान और सुरक्षा की भावना को दिखाती है।

आम के पेड़ से प्रकटी माँ चौसठ योगिनी हटरी में आस्था का अद्भुत चमत्कार



हरिभूमि न्यूज़

मध्य प्रदेश के दमोह जिले की कनिया घाट ग्राम पंचायत अंतर्गत हटरी ग्राम में स्थित चौसठ योगिनी माता मंदिर हटरी आजा आस्था, श्रद्धा और चमत्कार का भव्य केंद्र बन चुका है। यह प्राचीन सिद्ध स्थल अपनी अनूठी मान्यता और दिव्य प्राकट्य कथा के कारण दूर-दूर तक प्रसिद्ध है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन हेतु पहुंचते हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह स्थान आदि काल से पूजनीय माना जा है, किंतु वर्ष 1980 के आसपास एक संत द्वारा यहां यज्ञ आराधन के बाद यह स्थल जनमानस की आस्था का केंद्र बनकर उभरा। बताया जाता है कि वर्षों पूर्व यहां एक विशाल आम का पेड़ था, जो एक दिन अचानक गिर गया। आश्चर्य की बात यह रही कि उस समय पेड़ के नीचे धार्मिक आराधन में हजारों लोग मौजूद थे, लेकिन किसी भी श्रद्धालु को कोई हानि नहीं हुई। इस घटना को आज भी लोग



और दिव्य प्रतिमाएं सामने आईं। इन प्रतिमाओं की संरचना और स्वरूप को देखकर यह स्पष्ट हुआ कि ये चौसठ योगिनी माता की मूर्तियां हैं, जिनका प्राकट्य इसी स्थल पर हुआ माना जाता है। कुछ प्रतिमाएं खंडित अवस्था में भी पाई गईं, जिन्हें प्राचीन कालखंड से जोड़कर देखा जाता है। समय के साथ इस चमत्कारी स्थल की ख्याति निरंतर बढ़ती गई। प्रारंभ में माता आम के पेड़ के नीचे वक्तूरे पर विराजमान थीं, लेकिन वर्ष 2001 में महेंद्र पट्टेरिया परिवार द्वारा यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया। इसके पश्चात मंदिर परिसर का लगातार विस्तार होता गया। श्रद्धालुओं के सहयोग से यहां सिंहवाहिनी माता, सतोषी माता, नारायण महाराज, पंचमुखी हनुमान, शनि मंदिर, वगैरह मंदिर, महादेव मंदिर का निर्माण कराया गया। वहीं हाल ही में कृष्ण लोधी की स्मृति में उनके पिता अर्जुन सिंह द्वारा श्री राधा-कृष्ण मंदिर का भी निर्माण

कराया गया है, जिससे मंदिर परिसर की धार्मिक भव्यता और भी बढ़ गई है। यह मंदिर अब क्षेत्र का प्रमुख सांस्कृतिक आस्था केंद्र बन गया है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। विशेष रूप से चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां आस्था का अनुभूत दृश्य देखने को मिलता है। नवमी के दिन सैकड़ों गांवों से श्रद्धालु जवारे लेकर माता के दरबार में पहुंचते हैं। सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर यह एक दिवसीय मेला दोपहर विशेष पूजन और सायं जवारे विसर्जन के साथ संपन्न होता है, जिसमें पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठता है। मंदिर के पूजारी राधे-श्री महाराज के अनुसार मंदिर निर्माण के पश्चात से ही वैशाख माह में गंगा सप्तमी से पूर्णिमा तक श्री शतवंदी महायज्ञ एवं दीप आराधन लगातार वर्षों से महेंद्र पट्टेरिया परिवार द्वारा कराया जा रहा है, जो इस स्थल की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ाता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि सच्चे मन से यहां की गई पूजा-अर्चना कभी व्यर्थ नहीं जाती। चौसठ योगिनी माता अपने भक्तों की हर समस्यांना पूर्ण करती हैं। यही कारण है कि सागर, जबलपुर और छतरपुर सहित आसपास के अनेक जिलों से श्रद्धालु यहां आस्था के साथ पहुंचते हैं। आस्था, विश्वास और चमत्कार की यह अद्भुत गाथा आज भी हर श्रद्धालु को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, और यही कारण है कि हटरी स्थित चौसठ योगिनी माता मंदिर हटरी दिन-प्रतिदिन एक धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित होता जा रहा है।



नई दिल्ली। सांपों को आमतौर पर धरती पर रंगने वाले जीव के रूप में जाना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सांप उड़ भी सकते हैं? जी हां, दुनिया में कुछ ऐसे सांप मौजूद हैं, जो हवा में लगभग 30 मीटर तक ग्लाइड कर सकते हैं। इन्हें फ्लाईंग स्नेक या ग्लाइडिंग स्नेक कहा जाता है। उनकी यही काबिलियत, उन्हें दूसरे सांपों से अलग बनाती है और सांपों के सामान्य बर्ताव से अलग होता है। आइए इन खास सांपों के बारे में और विस्तार से जानते हैं। जब ये सांप एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाना चाहते हैं, तो वे अपने शरीर को चपटा कर लेते हैं और हवा में छलांग लगा देते हैं। इस दौरान उनका शरीर पैराशूट की तरह काम करता है, जिससे वे धीरे-धीरे नीचे गिरते हुए भी आगे बढ़ जाते हैं।

‘फ्लाईंग स्नेक्स’ का रहस्य

पैराडाइज़ ट्री स्नेक : य मलेशिया, सिंगापुर और फिलीपींस के जंगलों में मिलते हैं। दिवन-बार्ड ट्री स्नेक : यह छोटी प्रजाति है और मुख्य रूप से मलेशिया व सुमात्रा में पाई जाती है।

दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया में बहुतायत

फ्लाईंग स्नेक असल में उड़ते नहीं हैं, बल्कि हवा में ग्लाइड करते हैं। ये एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर जाने के लिए हवा में लंबी छलांग लगाते हैं, जिससे पेड़ से नीचे उतरने और दोबारा चढ़ने का समय बचता है। ये सांप क्रिसोपेलिया प्रजाति से संबंधित हैं, जिन्हें पैराडाइज़ ट्री स्नेक भी कहा जाता है। ये दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया के जंगलों में पाए जाते हैं। ये सांप ऊंचे पेड़ों पर रहते हैं और कीड़ों, छिपकलियों व छोटे पक्षियों को खाकर जीवित रहते हैं।

तीन दिनों की रहस्यमयी प्रक्रिया

जब यह परंपरा शुरू होती है, तो गांव वाले अपना सारा जरूरी सामान, जानवर और खाना अपने साथ ले जाते हैं और गांव के बाहर अस्थायी झोपड़ियां बनाते हैं। इन तीन दिनों को केवल डरावना माना जाता है, बल्कि सामुदायिक जीवन का उत्सव भी माना जाता है। गांव के सभी घर बंद कर दिए जाते हैं, दरवाजों पर नारियल के पत्ते रखे जाते हैं, और सड़कें और मंदिर सुनसान हो उठते हैं। इन तीन दिनों में गांव में कोई भी इंसान नहीं रहता है। लोग कहते हैं कि यह गांव में दिव्य उपस्थिति और आत्माओं की मौजूदगी का समय होता है।



500 करोड़ के क्लब में शामिल होने बढ़ रही ‘धुरंधर: द रिवेंज’

मुंबई। निर्देशक आदित्य धर की हाई-स्टेक्स जियोपॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर ‘धुरंधर: द रिवेंज’ ने बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ला दी है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने अपने शुरुआती दो दिनों में ही वह करिश्मा कर दिखाया है जो बड़े-बड़े ब्लॉकबस्टर के लिए हफ्तों का काम होता है। फिल्म ने महज दो दिनों में घरेलू बाजार में 200 करोड़ के क्लब

में एंट्री कर ली है। ट्रेड वेबसाइट के मुताबिक, फिल्म ने शुक्रवार को लगभग 80.72 करोड़ (नेट) की कमाई की, जिससे भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन (बुधवार के पेड प्रीव्यूज को मिलाकर) 226.27 करोड़ (नेट) तक पहुंच गया है। अब जब फ़िल्म कमाई वाले ईद वीकेंड की ओर बढ़ रही है, तो उम्मीद है कि इसकी रफ़्तार और तेज होगी।

लाइफ Style

उल्का

‘केरला स्टोरी-2’ समाज का आईना

एजेसी ►► मुंबई

अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्म में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्मों या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्म में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं। 27 फरवरी को फिल्म ‘केरल स्टोरी 2’ रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिसर्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है। कई चीजों ने उनकी आंखें खोल दी हैं।

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘केरला स्टोरी-2’ को लेकर सुर्खियों में छाई हुई है। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है।



हॉलीवुड मसाला

न्यूयॉर्क सिटी में हुई स्पॉट

न्यूयॉर्क। पॉप स्टार और एक्ट्रेस डेमी लोवाटो ने हाल ही में न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट हुईं, जहां उन्होंने अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान अपने शानदार अंदाज में सबका ध्यान खींच लिया। अपने किजी जीवन में इंटिंग डिसऑर्डर जैसी गंभीर समस्या पर खुलकर बात करने के बाद डेमी इस इवेंट में आत्मविश्वास से भरी नजर आईं। इवेंट से एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस खास मौके पर डेमी लोवाटो ब्लैक लेदर आउटफिट पहने नजर आईं।



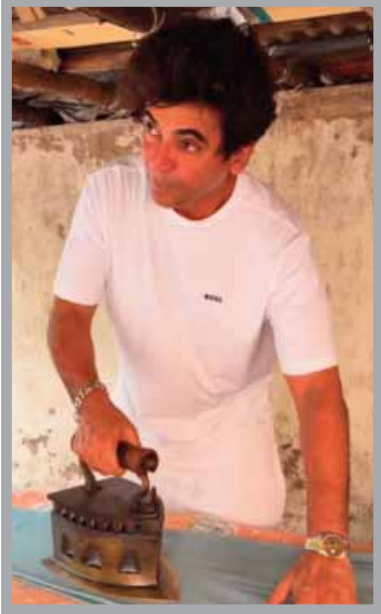
रेड कार्पेट पर छाया डीमी का ग्लैमरस अंदाज...

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस डीमी मूर हाल ही में टेक्सस के ऑस्टिन में आयोजित प्रसिद्धि फिल्म और म्यूजिक फेस्टिवल साउथ बाय साउथवेस्टर्क रेड कार्पेट पर नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने आगे स्टाइलिश अंदाज और बेहद फिट फिगर से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। फेस्टिवल में डीमी मूर एक आकर्षक ब्लू ड्रेस में पहुंचीं, जो स्लीवलेस और डीप नेक डिजाइन की थी। यह रैप-स्टाइल ड्रेस उनके स्लिम फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही थी। इस ड्रेस के साथ उन्होंने कमर पर एक चमकदार ऑरेज रैश (बेल्ट) टाई की, जिसने उनके पूरे आउटफिट को एक अलग स्टाइल दिया और उनके स्लिम लुक को और ज्यादा उभार दिया। कैमरों के सामने पोज देते समय डीमी मूर की मुस्कान और कॉन्फिडेंस देखने लायक था। डीमी मूर इस खास मौके पर अपनी नई फिल्म के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं।



44 की उम्र में विवाह बंधन में बंधेंगी

मुंबई। एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है। उनकी शादी की खबरों ने उनके फैंस के बीच काफी हलचल मचा दी है। अगर रिपोर्ट्स पर यकीन करें, तो अनुष्का 44 साल की उम्र में घर बसाने के लिए तैयार हैं। वैसे, यह पहली बार नहीं है जब उनकी शादी को लेकर अफवाहें सामने आई हैं। पहले भी उनकी शादी और लव लाइफ को लेकर काफी अटकलें लगाई गई थीं। ‘बाहुबली’ के बाद, एक्ट्रेस का नाम उनके को-स्टार प्रभास के साथ जोड़ा गया था। यहां तक कि यह भी अफवाह थी कि दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। हालांकि, बाद में प्रभास और अनुष्का दोनों ने इन रिपोर्ट्स को गलत बताया और साफ किया कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। अगर अनुष्का की शादी की खबर सुनकर आपको लगा कि उनके होने वाले पति फिल्म इंडस्ट्री से हैं।



सड़क किनारे इस्तरी करते दिखे सुनील

मुंबई। अभिनेता और कर्मीडियन सुनील ग्रोवर हर बार अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर देते हैं। अपने किरदार में इस तरह डूब जाते हैं कि बड़े-बड़े स्टार भी उन्हें देखकर चौंक जाते हैं। उन्होंने अपना नया टैलेंट दर्शकों के सामने पेश किया। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे सड़क के किनारे एक छोटी दुकान पर पैट पर प्रेस कर रहे हैं। वीडियो में वे बिल्कुल आम प्रेस वाले की तरह काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने कपड़े पर थोड़ा पानी छिड़का, फिर पुरानी कोयले वाली प्रेस से सारी सिलवटें बिल्कुल साफ कर दीं। इसे देखकर लग रहा है कि जैसे वे रोजमर्रा की जिंदगी में इसे आराम से करते हों। वहीं, वीडियो के बैकग्राउंड में सुनील ने पुरानी फिल्म का गाना ‘कौन है, तेरा मुसाफिर’ ऐड किया।

टीवी मसाला

बच्चों को प्यार और सही माहौल देना सबसे जरूरी : नकुल

मुंबई। टेलीविजन से लेकर ओटीटी की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में राज करने वाले अभिनेता नकुल मेहरा ने हाल ही में पेरेंटिंग पर खुलकर बात की। एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक पॉडकास्ट क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने माता-पिता बनने की जिम्मेदारी को खेती-किसानी से जोड़कर बहुत ही खूबसूरत तरीके से समझाया। नकुल ने कहा, माता-पिता भी एक किसान जैसे हैं। किसान अपने खेतों में जैसे बीज बोता है, पानी देता है, धूप-बारिश का ख्याल रखता है और फसल को जानवरों-कीड़ों से बचाता है, वैसे ही माता-पिता भी अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। हमारा काम है बच्चों को सही माहौल देना। उन्हें ढेर सारा प्यार, देखभाल और अच्छी परवरिश देना, ताकि वे मजबूत और अच्छे इंसान बनकर बड़े हो सकें। नकुल ने कहा कि आज के समय में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें सही राह दिखाना बेहद जरूरी है। नकुल ने मंत्रियों की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे बच्चे एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां एआई का इस्तेमाल बहुत बड़ा असर डालेगा। हम नहीं जानते कि कल की दुनिया कैसी होगी, इसलिए हमें उन्हें हर चीज सिखाना जरूरी नहीं है, लेकिन हम उनकी जिंदगी में आत्मविश्वास, खुद पर भरोसा और बहुत सारा प्यार भर सकते हैं।



मुंबई। एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी व बॉलीवुड एक्ट्रेस सई मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह इन दिनों प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में सई मांजरेकर ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नजरिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के

सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय की सही तरीके से पदे पर दिखा सकें। अपने अनुभव को लेकर सई ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है। उस समय के बारे में पढ़ना, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है।

मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर फैंस के बीच एक अलग ही पहचान रखते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन अधिकतर उनका बाल्ड लुक ही देखने को मिला है। रियल लाइफ में एक्टर हमेशा बाल्ड लुक में ही नजर आते हैं। ऐसे में अब एक्टर का बाल्ड लुक ही उनकी पहचान बन गया है। वहीं, हाल ही में अनुपम खेर ने खुलासा किया कि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट का कभी बार ऑफर हुआ, लेकिन उन्होंने बाल नहीं लगावाए। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि कई हेयर वीविंग कंपनियों और डॉक्टरों ने उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट कराने के लिए पैसे ऑफर किए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं। बहुत से लोग पैसे देने को तैयार हैं कि बस बाल

लगावा लो। लेकिन मैंने उन्हें ये मौका नहीं दिया। अनुपम का कहना है कि किने ने भी पैसे की जरूरत हो, वह बाल नहीं लगावाएंगे क्योंकि ऐसा करने से वह खुद को बदल देंगे और वहीं अनुपम खेर नहीं रहेंगे। इस दौरान एक्टर ने एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि जब उनके बेटे सिकंदर छोटे थे, तो एक बार वह पढ़ रहे थे, जिसमें हेयर ऑयल का विज्ञापन था। सिकंदर ने सोचा पिताजी बाल लगवाने के बारे में सोच रहे हैं, तो उन्होंने कहा, ‘पिताजी, सोचना भी मत।’ अनुपम खेर का कहना है कि युवा उन्हें ‘सर’ या ‘अंकल’ न कहकर ‘एके’ या ‘अनुपम जी’ कहें। अनुपम को ‘अंकल जी’ कहलाना पसंद नहीं क्योंकि इससे वह एक खास उम्र की कैटेगरी में बंध जाते हैं। वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते हैं।



श्रुति ने शेयर की सुपर हेल्दी रेसिपी

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति हासन अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वे अक्सर अपनी जिंदगी के मजेदार पल, फोटो के अलावा खास रेसिपी शेयर करती रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा ही किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इसमें आसान और टेस्टी स्नैक की रेसिपी बताई। अभिनेत्री ने लिखा, छुट्टी का दिन मतलब अपने सक्रिय को पढ़ते हुए थोड़ी-थोड़ी ब्रेक में सोशल मीडिया देखना। इसी दौरान एक दिलचस्प स्नैक रेसिपी दिखाई, जिसे मैंने ट्राई किया और इसकी शौकीन हो गई हूं। अभिनेत्री ने बताया कि ये टेस्टी रेसिपी का नाम ‘खजूर के साथ वैनिला ग्रीक योगर्ट स्नैक’ है। इसको बनाने के लिए

सबसे पहले खजूर को अच्छे से धो लें और अगर चाहें तो हल्का गर्म पानी में भिगोकर नरम कर लें। फिर इन्हें काट लें या छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। एक बाउल में वैनिला ग्रीक योगर्ट डालें। इसमें खजूर के टुकड़े मिला दें। ऊपर से थोड़ा-सा एक्स्ट्रा वर्जिन ऑयल छिड़कें। यह स्नैक को क्रीमी और हेल्दी टच देता है। आखिर में फ्लेकी नमक (या सामान्य नमक) छिड़क दें।



लैंबॉर्गिनी से लेकर ऑडी और मर्सिडीज की मालकिन श्रद्धा

लज्जरी कारणों से खचाखच भरा है श्रद्धा का गैराज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की सादगी उनके फैंस को खूब पसंद आती है। ‘रश्मी’ एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर सबसे पॉपुलर बॉलीवुड अभिनेत्रियों में से एक हैं। फैंस के साथ कनेक्ट सेक्शन में जाकर जिस तरह से वह बातचीत करती है, वह लोगों का दिल जीत लेता है। श्रद्धा कपूर भले ही देखने में किटनी भी सिंपल क्यों न लगे, लेकिन उनके शौक बिल्कुल भी सादे नहीं हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उनके गैराज में अलग-अलग कीमत की कई लज्जरी कारें खड़ी हैं। अगर आपने उनकी गाड़ियों का कलेक्शन और उनकी कीमत के बारे में जान लिया, तो आपका भी मुंह खुला का खुला रह जाएगा। श्रद्धा कपूर ने 2023 में अपनी सबसे महंगी कार ‘लैंबोर्गिनी हुराकान टेक्निका’ खरीदी थी, जिसे वह अक्सर खुद ही ड्राइव करते हुए दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार के अलावा भी श्रद्धा के पास कई शानदार गाड़ियां हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है।



लज्जरी ब्रांड की श्रद्धा है को-फाइंडर

रिपोर्ट की माने तो, श्रद्धा कपूर की कुल नेटवर्थ 140 करोड़ रुपये के आसपास है। वह सालाना 25 से 30 करोड़ रुपये तक कमाती हैं, जिसमें उनकी फिल्मों की फीस, विज्ञापन और बिजनेस इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं। वह अपनी एक फिल्म के लिए तकरीबन 8 से 17 करोड़ रुपये के बीच में चार्ज करती हैं। इसके अलावा, मुंबई के जुहू स्थित अपने प्लेटेस से उन्हें हर महीने लगभग 6 लाख रुपये का किराया आता है। एक मशहूर ज्वेलरी ब्रांड में श्रद्धा कपूर की 21% हिस्सेदारी है और वह इसकी को-फाउंडर भी हैं। श्रद्धा ने एक ब्यूटी ब्रांड में भी निवेश किया है, जिसका वह फेस हैं। बात करें ब्रांड एंडोर्समेंट की, तो वह इसके लिए 1 से 2 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस चार्ज करती हैं।

श्रद्धा ने 2025 में खरीदी लेक्सस एलएम

लैंबोर्गिनी हुराकान टेक्निका भले ही श्रद्धा की सबसे महंगी कार है, लेकिन इसके बाद उन्होंने साल 2025 में ‘लेक्सस एलएम 350 एच भी खरीदी थी। रिपोर्ट्स की माने तो, जब श्रद्धा कपूर अपने जिम या किसी लोकल सेलून में जाती हैं, तो वह महंगी गाड़ियों के बजाय अपनी ‘मारुति सुजुकी स्विफ्ट’ का इस्तेमाल करना पसंद करती हैं।



बम फोड़कर बुझाई जाती है आग

तेल के कुओं में लगी भीषण लपटों को काबू करने का खतरनाक तरीका

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव और युद्ध के बीच दुनिया की नजरें तेल के कुओं पर टिकी हैं। क्योंकि, युद्ध जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है, सबसे बड़ा खतरा गैस और तेल फ़िल्ड्स में लगने वाली आग को लेकर सामने आ रहा है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जब इन कुओं में भीषण आग लगती है, तो उसे बुझाने के लिए पानी नहीं, बल्कि 'बम' का इस्तेमाल किया जाता है? मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और यूएस इजरायल ईरान के बीच चल रहे युद्ध ने दुनिया भर की चिंता बढ़ा दी है। इस युद्ध में ईरान और इजरायल यूएस मिलकर गैस के कुओं को निशाना बना रहे हैं। इससे कई देशों में गैस और तेल के कुओं में आग लग जा रही है। यह आग इतनी भीषण होती है कि उसे पानी या साधारण फोम से बुझाना नामुमकिन होता है। ऐसी स्थिति में वैज्ञानिक और इंजीनियर एक बेहद हैरान करने वाला तरीका अपनाते हैं। इन आग की लपटों को शांत करने के लिए वैज्ञानिक 'बम' का सहारा लेते हैं।

क्यों अलग होती है यह आग

तेल के कुओं में लगी आग लगातार जलती रहती है, क्योंकि नीचे से तेल और गैस का बहाव रुकता नहीं है। इसका मतलब है कि आग को खुद ही ईंधन मिलता रहता है। यही वजह है कि यह आग बहुत तेज और खतरनाक होती है। इसके पास जाना भी खतरे से खाली नहीं होता है। क्योंकि, तापमान इतना ज्यादा होता है कि मशीनें तक पिघल सकती हैं।



पानी भी आता है काम

तेल की आग बुझाने के लिए भारी मात्रा में पानी का भी इस्तेमाल किया जाता है। बड़े पाइप और मशीनों से तेज दबाव में पानी डाला जाता है, जिससे तापमान कम होता है और आग कमजोर पड़ती है। लेकिन, सिर्फ पानी से काम हमेशा नहीं चलता, क्योंकि तेल का बहाव जारी रहता है।

बम से कैसे बुझती है आग

कुओं की आग को बुझाने के लिए वैज्ञानिक और इंजीनियर विस्फोट करते हैं। इसमें एक्सपर्ट आग के पास खास तरह का बम लगाते हैं और उसे उड़ते हैं। धमाके से तेज झटका पैदा होता है, जो आग के आसपास मौजूद ऑक्सीजन को कुछ समय के लिए हटा देता है। जैसे ही ऑक्सीजन खत्म होती है, आग बुझ जाती है। इसे ऐसे समझिए जैसे आप जॉर से फूंक मारकर दीया बुझाते हैं, बस यहां इसी विधि को बहुत बड़े स्तर पर करने के लिए बम का इस्तेमाल किया जाता है।

नवरात्रि में उमड़ता है आस्था का सैलाब!

छतरपुर के पाताल वाले मंदिर में रोज होते हैं चमत्कार

सैकड़ों साल पुराना मंदिर

65 वर्षीय पुजारी रामफल शर्मा बताते हैं कि माता का जो यह मंदिर है, इसे अर्द्धवृत्तवारी माता के नाम से जाना जाता है। ये मंदिर सैकड़ों साल पुराना बताया जाता है। हम इस मंदिर को पीढ़ियों से पूजते आए हैं। हमारे बाबा के बाबा भी इस मंदिर में पूजा-अर्चना करते आए हैं। हालांकि, जंगल-पहाड़ में मंदिर होने की वजह से हर दिन लोग नहीं आ पाते हैं लेकिन हर सोमवार को यहां सुबह श्रद्धालु आते हैं। साथ ही शारदीय और चैत्र नवरात्रि में यहां जंवा रे रखे जाते हैं। जिनकी मनोकामनाएं पूर्ण हुई हैं, वह यहां नवरात्रि में आते हैं। इसके अलावा यहां मनोकामनाएं मांगने हजारों श्रद्धालु नवरात्रि में आते हैं।



प्राचीन स्थल में नहीं विकास

वहीं, स्थानीय निवासी रुपेश तिवारी बताते हैं कि पहले माता जी का प्राचीन स्थान बड़ी चट्टान के नीचे था। लेकिन, किन्हीं कारणवश सालों पहले माता जी का स्थान परिवर्तित कर दिया गया। हालांकि, प्राचीन स्थान होने के बाद भी यहां रात में लाइट भी नहीं जलती है, जबकि यहां बिजली खंभे और लाइट भी लगी हैं।

पाताल फोड़कर निकली माता पुजारी बताते हैं कि यहां जो माता विराजमान हैं, वह पाताल फोड़कर प्रकट हुई हैं। ये कितने साल पुरानी हैं यह तो हमारे बाबा को भी नहीं पता था। आसपास के गांव में जिनके यहां शादी होती है वह जोड़े के रूप में आकर यहां हथ्या लगाते हैं।

रोग होते ठीक

स्थानीय निवासी रोहित चौरसिया बताते हैं कि हमारे यहां माता जी का जो प्राचीन स्थान है, वह बहुत प्रसिद्ध स्थान है। हालांकि, जंगल-पहाड़ क्षेत्र होने की वजह से लोग हर दिन नहीं जा पाते हैं, लेकिन जब भी किसी के घर में शादी-विवाह जैसे कार्यक्रम होते हैं वह यहां आते हैं। यहां बच्चों का मुंडन भी होता है। यहां नवरात्रि में मेला भी लगता है। इसके अलावा यहां चेचक के मरीज भी ठीक होकर जाते हैं।

5-स्टार सेप्टी, 8-स्पीड ऑटोमैटिक और प्रीमियम फीचर्स के साथ 10.69 लाख रुपये से शुरू

नई कुशाक लॉन्च: वैल्यू, परफॉर्मेंस और सेप्टी में स्कोडा का नया बेंचमार्क



सेगमेंट-फर्स्ट 8-स्पीड ऑटोमैटिक, रियर सीट मसाज और पैनेोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। कंपनी का "यू नेवर ड्राइव अलोन" नेटवर्क 183 से अधिक शहरों में 325 टचपॉइंट्स के जरिए ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- कुते के अग्रिम में डिमंडर स्टॉक चाहिए। कुतों को खाना देना, देख-भाल, मन मूत्र सफाई का कार्य, रु. 10,000 मसिक देना, रहना व खाना उपलब्ध। वददुरी राहपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 (राहपुर 25/मार्च 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्ट्रिब्यूटिव एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने धियोक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मामूली बुखार पर डॉक्टर ने बना दिया 10 हजार का बिल चेन्नई। चेन्नई के एक शख्स का टवीट इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि एक साधारण बुखार के इलाज के लिए उसने करीब 9,900 रुपये का बिल लिया गया, जिसके बाद लोगों के बीच बहस छिड़ गई है।

पश्चिम मध्य रेल खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी और से निम्न लिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा सूचना क्रमांक : जेम/2026/4/7360696, कार्य का नाम लोकरेशन सहित : डिग्री में 24x7 आधार पर ट्रेक किराए पर लेना है, जिसके पास अखिल भारतीय परमिट हो और जो प्रति माह 15000 किलोमीटर चल सके। अतिरिक्त 360000 किलोमीटर की दूरी के लिए 42 रुपये प्रति किलोमीटर का शुल्क लगेगा। टेंडर खुलने की तारीख से ट्रेक का मॉडल 3 साल से अधिक पुराना नहीं होना चाहिए। इसमें डीजल, ब्राइवर का वेटन, रखरखाव, बीमा, टोल टैक्स आदि सभी खर्च शामिल होंगे। निविदा का अनुमानित मूल्य (रु. में) : रु 2154864/-, निविदा फार्म की कीमत (रुपये) : रु 00/-, कार्यालय का पता : मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, बयाना राशि रुपये : रु 43100/-, समापन अवधि (माह) : 24 माह, निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 09.04.2026 को 15.00 बजे तक बंद होगी एवं 15.30 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https://gem.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाईन आवेदन की जा सकती है।

हस्ता. मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर सचिव भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

वैवाहिकी वर/वधू चाहिए

वर/वधू चाहिए-28 वर्षीय वधू के लिए वर तथा वो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 74005 56967 (10411)

वर चाहिए

वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2", B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज व्यूरो क्षमा करें। संपर्क करें- मो.-99261-98299 (240)

वधू चाहिए

इकरार साह खान उम्र: 50 वर्ष, जिला दुर्ग, केला बाड़ी मजार के पास. (दिल्ली) बिजनेस मैन हेतु वधू चाहिए. जाति बन्धन नहीं. तुरंत सम्पर्क करें. लड़की डायरेक्ट बात करें. 93033 96004 88512 89207

राशिफल

मेष	मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सान्निध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयाँ आ सकती हैं।
वृष	आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेगा।
मिथुन	आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।
कर्क	आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।
सिंह	मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
कन्या	परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहेगा।
तुला	आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़बटे आ सकती
वृश्चिक	धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।
धनु	वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।
मकर	दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।
कुंभ	क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।
मीन	नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

बाएँ से दाएँ

- 1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
- 4.पानी से सराबोर-5
- 8.अंधकार-3
- 9.आक्रमण-3
- 10.दम, सुट्टा-2
- 12.समय, वक्त-2
- 13.कहानी लेखक-5
- 16.अपराधी, गुंडा-4
- 17.आलोकित होना-4
- 18.उद्देश्य, मंजिल-2
- 19.छाती, सिलना-2
- 20.जागरण-4
- 23.सफल, उत्तीर्ण-4
- 25.पत्नी का नाना-2,3
- 28.मार्ग, रास्ता-2
- 29.जर, थोड़ा-2
- 31.वैमनस्य-3
- 33.पाजेब-3
- 35.जरुरतमंद-3,2
- 36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

- 1.उत्साह-3
- 2.वोट,राय-2
- 3.हथियार, गोला-बारूद-4
- 4.सनसनी, रोमांच-4
- 5.एक विदेशी शराब-2
- 6.आफत, मुसीबत-2
- 7.उपपत्नी-3
- 11.बलिदान-3
- 12.कार्य करने वाला-3
- 13.सिगरेट का सुट्टा
- मारा-2,3
- 14.पानी, जल-2
- 15.निर्माण करने वाला-5
- 21.प्रकार-3
- 22.उम्मीद, आशा-2
- 24.भिखारी-3
- 26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
- 27.मदिरापान-4
- 28.मदद,आराम-3
- 30.इससे कच्ची

शराब बनती है-3

- 31.उस समय-2
- 32.नागालैंड की एक जाति-2
- 34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 6171 का हल

न	म	क	म	न	स	म	झ	रा	र
अ	क	र	ह	म	म	द	ज	न	
र	त	जी	जी	म	द	वा	जी		
ख	स	ना	न	ख	ता	इ	रा	य	
व	र	ना	न	स	सु	र	र	भि	
न	म		म	वा		ता	न		
सु	आ	स	व	ल	ह	र	य		
त	ल	य	गा	र	न	क	य	ज	न

सूडोकु नवताल - 6182

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
6				7	4			3
							7	

सूडोकु नवताल - 6181 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।



रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जैन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ाने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रेट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डॉस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने



आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉवर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत की वैज्ञानिक मांस साइकोजेनिक इन्फ्लेक्स कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अजाने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उन्में स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संगमल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉवर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत की वैज्ञानिक मांस साइकोजेनिक इन्फ्लेक्स कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अजाने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उन्में स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संगमल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

कविता विक्रम सिंह

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी कि बेटा पढ़-लिख जाए, अपनी तनख्वाह से घर का राशन ले आए। दफ्तर जाने को एक छोटा सा स्क्रूटर हो, और बच्चों की फीस समय पर भर जाए। ख्वाब बस इतना था कि शहर में उसका एक घर हो, जिसके एक कोने में बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो। मगर अब उसके पास



बड़ा प्लैट, बड़ी गाड़ी है, घर में खाना नहीं पकता सब कुछ ऑर्डर पर आता है पर उस आलीशान घर में मेरा कमरा कहीं खो जाता है, गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है मेरी आंखों की रोशनी धीरे-धीरे बुझ रही है, बेटे की तरक्की अंधेरे में उलझ रही है।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में विचार



हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'पूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोते', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्बलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: पूफ रीडर, लेखक: हेमंत देवलेकर, मूल्य: 250 रुपये प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली



लगतें हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं। रिश्तों से बड़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जैन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेंज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिटरेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गैमिंग या गैबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्बत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए। इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी



सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग

और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक

स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। * (फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मा से बातचीत पर आधारित)



एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

टेक्नोलाइफ

डॉ. मौनिका शर्मा

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सल्टीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहाूल्यत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारीयां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टारगेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रूटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नेक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरवूटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने

और भारी-भरकम रूटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रूटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाक्या बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पॉसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि

एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को

सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, धारियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनीयों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनाम और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति

पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री वाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई जीवनियां पुरानी रेखाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब', काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद

शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्त्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

सम्मान

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं पल्लव।

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान



धारवाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है-शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में

रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना शृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा आँक्याओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण को मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब', काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद



शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्त्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

विंबलडन में पहली बार ‘वीडियो रिव्यू सिस्टम’ की शुरुआत, छह कोर्ट में खिलाड़ियों के लिए होगा उपलब्ध

एजेसी ►► लंदन

विंबलडन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच होगा। ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (ईएलटीसी) ने पुष्टि की है कि इस सीजन में पहली बार टूर्नामेंट में एक नया वीडियो रिव्यू सिस्टम (वीएआर) पेश किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में वीएआर के टेनिस वर्जन का इस्तेमाल किया जाएगा, जो ग्रैंड स्लैम में छह कोर्ट पर खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध होगा। वीएआर टेक्नोलॉजी चैंपियनशिप के दौरान सेंटर कोर्ट और कोर्ट वन पर हर समय उपलब्ध रहेगी। वहीं, अन्य कोर्ट (कोर्ट नंबर 2, कोर्ट नंबर 3, कोर्ट 12 और कोर्ट 18 शामिल हैं) पर यह सुविधा तभी उपलब्ध होगी, जब उन पर पुरुषों और महिलाओं के सिंगल्स मैच खेले जा रहे होंगे।



जोड़ा गया ईएलसी में नया अपग्रेड

टूर्नामेंट में इस बार इलेक्ट्रॉनिक लाइव कॉलिंग (ईएलसी) में एक नया अपग्रेड जोड़ा गया है। 2026 से सभी कोर्ट्स पर लाइव ईएलसी के विजुअल सेंकेट स्कोरबोर्ड पर भी दिखाए जाएंगे, जिससे दर्शकों का अनुभव और अधिक रोमांचक और पारस्परिक

खनेगा। वहीं, एईएलटीसी ने विंबलडन परिसर का आकार लगभग तीन गुना करने की योजना बनाई है। इस दिशा में उन्हें बड़ी सफलता मिली है, क्योंकि लंदन हाई कोर्ट ने फैसला दिया कि यह विकास योजना भूमि उपयोग नियमों से बाधित नहीं है। मौजूदा सिंगल्स चैंपियन जैमिक सिनर और इग्ना स्वितातेक अपने खिताब का बचाव 29 जून से शुरू करेंगे।

चैंपियनशिप का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच

वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम

इस घोषणा के साथ, विंबलडन यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम बन गया है। वीएआर से खिलाड़ियों को कई तरह से फायदा होगा। इसके साथ ही मैदानी अंपायर की ओर से लिए गए फैसलों की सटीकता भी बनी रहेगी। यह सिस्टम खिलाड़ियों को कई तरह के विवादित फैसलों को चुनौती देने की सुविधा देता है, जैसे कि डबल बाउंस, फाउल शॉट या बाधा से जुड़े फैसले।



यूएस ओपन 2023 में पहली बार हुआ था वीएआर का इस्तेमाल

यूएस ओपन 2023 में वीएआर का इस्तेमाल करने वाला पहला बड़ा टूर्नामेंट था। अब फरवरी 2025 से यह नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सभी कोर्ट पर उपलब्ध है। विंबलडन का डिजिटल अपग्रेड बीते साल शुरू हुआ था, जब टूर्नामेंट ने इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) की शुरुआत की थी। इस कदम के साथ ही पिछले 147 वर्षों से लाइन जजों की ओर से निर्भाई जा रही भूमिका समाप्त हो गई थी।

खबर संक्षेप



50 मीटर फ्रीस्टाइल में मैकएवॉय ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शोनजेन। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शेन्जेन में चाइना ओपन में 20.88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेससर सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0.03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित ‘सुपर स्ट्रूट’ युग के दौरान 20.91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी, जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

आईएसएल: चेन्नईयिन एफसी और एफसी गोवा में मुकाबला आज



चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अपने पहले घरेलू मैच में चौथे स्थान पर काबिज एफसी गोवा के खिलाफ जीत की लय को जारी रखना चाहेगा। चेन्नईयिन की टीम प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मिली जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। इमरान खान के पहले गोल ने चेन्नईयिन को इस सत्र की पहली जीत दिलाई थी। क्लब के मुख्य कोच क्लॉडिओ मिरांडा ने कहा, ‘ मैं अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करूंगा, लेकिन हम एक टीम और एक समूह के तौर पर प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश करते हैं।’ मुख्य कोच ने आगे कहा, ‘ हम कई तरह के बदलाव करके देख रहे हैं। और हम निरंतरता लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम इसमें सफल होंगे और नियमित रूप से गोल करना शुरू कर देंगे।

ब्राइटन के खिलाफ नहीं खेलेंगे मोहम्मद सालाह



लिवरपूल। इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल एफसी के मैनेजर अर्ने स्लॉट ने पुष्टि की है कि स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी मोहम्मद सालाह मांसपेशियों में चोट के कारण ब्राइटन एंड होव एफ्लिवन के खिलाफ आगामी प्रीमियर लीग मैच नहीं खेल पाएंगे। सालाह को यह चोट लिवरपूल के हाल ही में एनफील्ड में गैलाटारासराय के खिलाफ खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग मैच के दौरान लगी थी। इस मित्र के फॉरवर्ड खिलाड़ी को दूसरे हाफ में मैदान से बाहर बुला लिया गया था, जबकि उन्होंने 4-0 की जीत में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने एक गोल और एक असिस्ट किया था।

आईपीएल : 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर भिड़ेंगे आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद

कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र, कहा- ‘एक भी मिनट बर्बाद न करें’

एजेसी ►► बेंगलुरु

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से ‘स्विच आन’ करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जल्चे को बरकरार रखना है, जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा, ‘ हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है, जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमों भी पूरी चुनौती देंगी।’ आरसीबी को 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है।

हमें आगे रहना है तो स्विच आन करो : कोहली

कोहली ने कहा, ‘ हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओरस्तेवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।



हमारी टीम बेहतर : कोच एंडी फ्लावर

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, ‘ नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा।’ उन्होंने यह भी कहा, ‘ इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी

प्रशंसकों के लिए यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नई चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आए हैं।’ विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा , ‘ सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं। सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है।’

टेबल टेनिस

मानव और यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब



एजेसी ►► इंदौर

पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता।

पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड



बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंदूला दास पर 4-3 (11-6, 12-14, 11-5, 9-11, 13-11, 6-11, 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया।

डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित दिव्यांशी

मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर मधुगार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया। इस बीच दिव्यांशी भोमिक को सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी को दिए जाने वाले डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने क्वाटर फाइनल तक का सफर तय किया और शुक्रवार को खेले गए एक कड़े मुकाबले में पिछली बार की चैंपियन दीया चिताले के सामने कड़ी चुनौती पेश की। दिव्यांशी ने पश्चिम युवा चैंपियनशिप में अंडर-15 एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल आईटीटीएफ युवा विश्व चैंपियनशिप में अंडर-19 का खिताब भी अपने नाम किया था।

26 मार्च से हीरो इंडियन ओपन भाग लेंगे शीर्ष खिलाड़ी

एजेसी ►► गुरुग्राम

दुनिया के शीर्ष सी खिलाड़ियों में से पांच और विश्व टूर के कई पूर्व चैंपियन हीरो इंडियन ओपन 2026 में भाग लेंगे, जो 26 से 29 मार्च तक डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब पर खेला जाएगा। इनमें विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज और पीजीए टूर पर हाल ही में जीत दर्ज करने वाले अक्षय भाटिया और 2018 ओपन चैंपियन और तीन बार के राइडर कप विजेता इटली के फ्रांसिस्को मोलिनारी शामिल हैं। भाटिया के अलावा शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ियों में कारसे जार्विस (69), एल्विस स्माइली (74), डेविड पुड्ग (85) और ट्रिस्टन लॉरेंस (89) शामिल हैं। भारतीयों में दो बार के डीपी विश्व टूर विजेता शुभंकर शर्मा , 2025 पीजीटीआई आई आर्डर आफ मरिट विजेता युवराज संधू , मनु गंडास , ओमप्रकाश चौहान और वीर अहलावत शामिल हैं। भारतीय गोल्फ यूनियन की ओर से सह मान्यता प्राप्त और डीपी विश्व टूर का हिस्सा इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 2.55 मिलियन डॉलर इनामी राशि है।



बीसीसीआई का बड़ा ऐलान, आयरलैंड में भिड़ेगी टीम इंडिया, तारीखें तय

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी20 खेलेगा भारत

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के आयरलैंड दौरे का शेड्यूल शनिवार को जारी कर दिया। भारतीय टीम 2 टी20 मैचों के लिए जून 2026 में आयरलैंड का दौरा करेगी।

बीसीसीआई की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट



टीम का हाल के कुछ वर्षों में आयरलैंड का यह चौथा दौरा होगा। टीम इंडिया 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड के दौरे पर गई थी। वहीं, भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में

खेलेगी। आयरलैंड क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट फैंस को भारतीय टीम के दौरे का हमेशा से इंतजार रहता है। भारतीय टीम को लेकर वहां के फैंस के बीच उत्साह रहता है। बीसीसीआई आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है। देखना

होगा कि आगामी दौरे पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली या टीम आयरलैंड जाती है, जिसने विश्व कप जीता था, या किसी दूसरे खिलाड़ी की कप्तानी में युवा टीम भेजती है।

माइका हमानो ने पहले हाफ में लगाया जोरदार शॉट, टीम को दिलाई जीत

महिला एशियाई कप पर जापान का कब्जा, ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया

एजेसी ►► सिडनी

माइका हमानो के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया। हमानो चेलसी से ‘लोन’ पर टोटेंहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोक रखा।



जापान ने 2014 और 2018 में जीता था कप

जापान ने 2014 और 2018 में भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर लगातार महिला एशियाई कप जीते थे। इस तरह उसने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीसरी बार खिताब जीता है। एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए छह मैचों में सिर्फ एक गोल खाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2010 के बाद से यह महाद्वीपीय चैंपियनशिप नहीं जीती है, जब रैम केर (तब 16 वर्ष की थीं) ने फाइनल में गोल किया था। एशियाई कप से छह टीमों अगले साल बाजीन में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। मध्य पूर्व युद्ध से प्रभावित ईरानी टीम की भागीदारी के कारण 12 टीमों के इस टूर्नामेंट ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

